MARKET ANALYSIS
TECHNICAL ANALYSIS EBOOK

AVAILABLE IN THIS BOOK

CONTENT:-

- types of chart
- multi time frame uses
- candlestick details
- indicators
- volume
- ✓ support and resistance
- ✓ types of chart patterns
- ✓ chart patterns cheat sheet
- ✓ fibonacci retracment
- ✓ trading discipline

Hello friends - This book is made for stock market learning, the materials given on this book have been given to you to learn, if you are interested in learning then read this book only, If you trade at the given level, then you must do your research and consult your financial advisor –

Trading in the stock market without knowledge can put you in trouble, so don't get fooled by whom, so learn, understand and then come to the stock and never invest more than 10% of your savings here.

If you follow all these things then read our book

- Thank you

Types of chart

वैसे तो stock market को analysis करने के लिए कई प्रकार के charts patterns उपलब्ध है, लेकीन ज्यादातर traders अपने analysis को line chart और candlestick chart पर करते हैं .

ये दोनों chart market के ट्रेंड को multiple time frame जैसे;- 5 मिनट, 15 मिनट, 1 घंटा, 1 दिन, 1 महीने. तक के chart को आपको एक साथ दिखा सकता है |

Multi Time Frame:- ट्रेडिंग एनालिसिस सबसे महत्वपूर्ण चीजों में से एक है जो किसी भी व्यक्ति को कोई भी ट्रेड लेने के पहले करना चाहिए। यह एनालिसिस टेक्निकल एनालिसिस का सबसे सरलतम उपकरण है जो आपको अपने ट्रैडों से नुकसान को कम करने में मदद करेगा।

कौनसी Multi Time Frame ट्रेडिंग की आपको ट्रैकिंग करनी चाहिए?

इसका सामान्य नियम यह है कि जितना लम्बा टाइम फ्रेम होगा उतने ही विश्वसनीय उसके सिग्नल्स होंगे। जैसे ही हम multi time frame को घटा देंगे, चार्ट गलत सिग्नल दे सकते है। आदर्श रूप से, ट्रेडर्स को जिन शेयरों में वो ट्रेड कर रहे है उनके ट्रेंड को परिभाषित करने के लिए लम्बी टाइम फ्रेम का उपयोग करना चाहिए।

एक बार जब ट्रेंड को परिभाषित कर दिया जाए, तो ट्रेडर किसी भी Multi time frame का उपयोग कर सकते हैं जिसे वे इंटरमीडिएट ट्रेंड की पहचान करने के लिए उपयोग करना चाहते है और शोर्ट टर्म ट्रेंड की पहचान करने के लिए एक तेज़ टाइम फ्रेम का उपयोग कर सकते है।

विभिन्न multi time frame को उपयोग में लाने के कुछ उदाहरण:

- **स्विंग ट्रेडर**:- जो दैनिक चार्ट पर ध्यान केन्द्रित करते है वे प्राथमिक ट्रेंड की पहचान करने के लिए साप्ताहिक चार्ट का और शोर्ट टर्म ट्रेंड की पहचान करने के लिए 60 मिनट के चार्ट का उपयोग कर सकते है।

- **डे ट्रेडर**:- प्राथमिक ट्रेंड की पहचान करने के लिए 60 मिनट के चार्ट का और शोर्ट टर्म ट्रेंड की पहचान करने के लिए 5 मिनट के चार्ट का उपयोग कर सकते है।

- **पोजीशनल ट्रेडर**:- साप्ताहिक चार्ट पर ध्यान केन्द्रित कर सकते है, प्राथमिक ट्रेंड की पहचान करने के लिए मासिक चार्ट का और प्रवेश तथा निकास की पहचान के लिए दैनिक चार्ट का उपयोग करते है।

कौन से टाइम फ्रेम को चुनना है यह प्रत्येक ट्रेडर पर निर्भर करता है।

एक ट्रेडर को उस एक मुख्य टाइम फ्रेम का चुनाव करना चाहिए जिसमें वे रुचि रखते है और फिर उस टाइम फ्रेम के समादर के लिए उसके ऊपर या नीचे का एक टाइम फ्रेम चुन लेना चाहिए।

Multi Time Frame के लिए प्रवेश के सिद्धांत:

इस रणनीति के लिए यहाँ कुछ प्रवेश के सिद्धांत है:

- व्यक्ति को परिभाषित करना चाहिए कि उनका “सिग्नल” चार्ट क्या है। स्विंग ट्रेडर्स के लिए, यह एक दैनिक चार्ट होगा और डे ट्रेडर्स के लिए, यह 2/5/10/15 मिनट के चार्ट की तरह एक छोटा टाइम फ्रेम होगा।
- व्यक्ति को एक उच्च टाइम फ्रेम चार्ट जोड़ना चाहिए जो आपका सिग्नल चार्ट भी हो सकता है।

- व्यक्ति को पहले की तरह अपने सिग्नल चार्ट का ट्रेड करना चाहिए, लेकिन उन उच्च टाइम फ्रेम वाले चार्ट पर स्विंग की दिशा में ट्रेड करना भी याद रखना चाहिए। follow:-traderavi_

मल्टी टाइम फ्रेम ट्रेडिंग एनालिसिस के लाभ

- टाइम फ्रेम पर ट्रेंड अलग-अलग दिखाई दे सकता है जिसे आप लॉन्ग टर्म के ट्रेंड की तुलना में देख रहे है।
- सपोर्ट और रेजिस्टेंस के प्रमुख स्तर आपके ट्रेड के आसपास हो सकते है, लेकिन यह उस टाइम फ्रेम पर नहीं देखा जा सकता जिस पर आप ट्रेड कर रहे है।
- आपने छोटे टाइम फ्रेम में एक अच्छा ट्रेड किया होगा और अपने लक्ष्य को प्राप्त किया होगा, लेकिन यह महसूस नहीं किया कि यदि आपने एक लम्बा टाइम फ्रेम ली है तो आपको अधिक लाभ प्राप्त हो सकता है।
- आप लम्बे टाइम फ्रेम की तुलना में छोटे टाइम फ्रेम में सटीक एंट्री पॉइंट बना सकते है।

मल्टीफ्रेम एनालिसिस का महत्व:

सपोर्ट और रेजिस्टेंस के प्रमुख स्तर आपके ट्रेड के आसपास मौजूद हो सकते है, लेकिन यह उस टाइम-फ्रेम पर नहीं देखा जा सकता जिस पर आप ट्रेड कर रहे है।

- ट्रेंड उस टाइम-फ्रेम पर अलग रूप से प्रकट हो सकती है जिसे आप उस समय देख रहे है, जहाँ लॉन्ग-टर्म का ट्रेंड बढ़ रहा है।
- कीमतें एक टाइम-फ्रेम पर स्थानांतरित करने के लिए रूम में दिखाई दे सकती है जहाँ यह वास्तव में निम्न टाइम-फ्रेम पर अधिक विस्तारित होती है।
- आप लॉन्गर टाइम फ्रेम से शोर्टर टाइम फ्रेम में सटीक एंट्री पॉइंट बना सकते हैं।

महत्वपूर्ण बिंदु:

- ट्रेडिंग के अवसरों की पहचान करने के लिए किसी भी व्यक्ति को multi time frame ट्रेडिंग एनालिसिस करना चाहिए।
- उच्च टाइम फ्रेम का उपयोग सम्पूर्ण बाज़ार की दिशा को खोजने के लिए किया जाता है और निम्न टाइम फ्रेम का उपयोग ट्रेड में प्रवेश का उचित समय खोजने के लिए किया जाता है।
- मल्टीपल टाइम फ्रेम एनालिसिस का उपयोग काउंटर-ट्रेंड ट्रेडिंग के लिए किया जा सकता है।

- मल्टीपल टाइम फ्रेम एनालिसिस का उपयोग करने से उच्च टाइम फ्रेम की विश्वसनीयता के लाभों को संयोजित करने में मदद मिलती है और यह निम्न टाइम फ्रेम की रिस्क को भी कम करता है। follow:-traderavi_

कैंडलस्टिक चार्ट की बुनियादी समझ

तकनीकी विश्लेषण (Technical Analysis) के तहत, कैंडलस्टिक चार्ट किसी सिक्योरिटी की कीमतों में परिवर्तन का विश्लेषण करने के सबसे कुशल तरीकों में से एक है।

कैंडलस्टिक चार्ट्स की लोकप्रियता का एक कारण यह है कि वे बार और लाइन चार्ट्स की तुलना में अधिक आकर्षक हैं।

एक व्यापारी के लिए, कैंडलस्टिक चार्ट की दो सबसे पसंदीदा विशेषताएँ हैं:

- प्रत्येक कैंडलस्टिक एक विशेष अवधि के दौरान व्यापारों की विशिष्ट संख्या के पूरा होने को दर्शाता है।
- इससे यह भी पता चलता है कि उस विशेष अवधि के दौरान अधिक बिक्री का दबाव था या खरीदी का दबाव था।

कैंडलस्टिक चार्ट का निर्माण:

प्रत्येक कैंडलस्टिक मुख्य रूप से रियल बॉडी और विक्स से बना होता है जिसे शड़ौस या टेल्स के रूप में भी जाना जाता है:

कैंडलस्टिक्स कैसे पढ़ें

रियल बॉडी

रियल बॉडी कैंडलस्टिक्स का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है क्योंकि यह ओपन प्राइस और विशेष समय सीमा के क्लोजिंग प्राइस के बीच के अंतर को दर्शाता है | समय सीमा एक दिन, महीने और इसी तरहका हो सकता हैं |

ओपन प्राइस

- कैंडलस्टिक के ऊपर या नीचे का हिस्सा ओपनिंग प्राइस को दर्शाता है|
- यदि परिसंपत्ति का ओपनिंग प्राइस क्लोजिंग प्राइस से अधिक है तो ओपन कैंडलस्टिक बॉडी के ऊपर के हिस्से में होगा|
- इससे पता चलता है कि प्राइस डाउनट्रेंड में था और कैंडलस्टिक का रंग लाल या काला होगा |
- यदि परिसंपत्ति का ओपनिंग प्राइस क्लोजिंग प्राइस से कम है तो ओपन कैंडलस्टिक बॉडी के नीचे के हिस्से में होगा |
- इससे पता चलता है कि प्राइस अपट्रेंड में था और कैंडलस्टिक का रंग हरा या सफ़ेद होगा |

क्लोजिंग प्राइस

- ओपनिंग प्राइस की ही तरह, कैंडलस्टिक के ऊपर या नीचे का हिस्सा क्लोजिंग प्राइस को दर्शाता है|
- यदि क्लोजिंग प्राइस ओपनिंग प्राइस से अधिक है तो क्लोज कैंडलस्टिक बॉडी के ऊपर के हिस्से में होगा |
- इससे पता चलता है कि प्राइस अपट्रेंड में था और कैंडलस्टिक का रंग हरा या सफ़ेद होगा |
- यदि क्लोजिंग प्राइस ओपनिंग प्राइस से कम है तो क्लोज कैंडलस्टिक बॉडी के नीचे के हिस्से में होगा|
- इससे पता चलता है कि प्राइस डाउनट्रेंड में था और कैंडलस्टिक का रंग लाल या काला होगा |

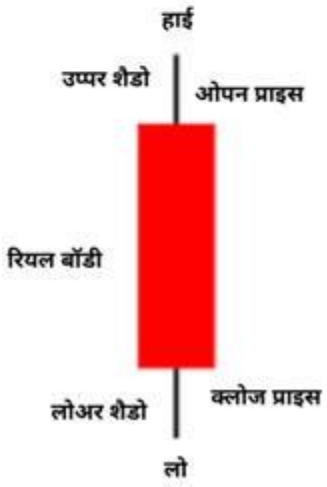

शैडोस

शैडोस कैंडलस्टिक्स के रियल बॉडीज के ऊपर और नीचे की पतली रेखाएं हैं। यह मुख्य रूप से उच्चतम और सबसे कम कीमतों को दर्शाता है जो उस समय सीमा के दौरान चली गई थी |

हाई प्राइस	लो प्राइस
• विशेष समय सीमा के दौरान हाई प्राइस को बॉडी के ऊपरी शैडो के शीर्ष द्वारा दर्शाया जाता है।	• विशेष समय सीमा के दौरान लो प्राइस को बॉडी के निचले शैडो को नीचे के हिस्से द्वारा दर्शाया जाता है।
• यदि ओपन या क्लोज की कीमत सबसे अधिक है तो कोई ऊपरी शैडो नहीं होगा |	• यदि ओपन या क्लोज की कीमत सबसे कम है तो कोई निचली शैडो नहीं होगी।

कैंडलस्टिक चार्ट पर पैटर्न की व्याख्या करना:(Interpreting Patterns on Candlestick Charts:)

जैसा कि कैंडलस्टिक्स अधिक आकर्षक होती हैं, व्यापारी ऐसी कैंडलस्टिक पैटर्न की तलाश करता है जो निरंतरता या उलट-फेर हो सकती हो।

इन कैंडलस्टिक पैटर्न को मंदी और तेजी वाली कैंडलस्टिक पैटर्न में भी वर्गीकृत किया जा सकता है। follow:-traderavi_

इस तरह के कैंडलस्टिक पैटर्न के कुछ उदाहरण हैं:

Example of a single candlestick pattern:

- मारूबोज़ू
  डोजी
- स्पिनिंग टॉप्स
- हैमर
- हैंगिंग मैन
- शूटिंग स्टार

कई कैंडलस्टिक पैटर्न्स कई कैंडल्स द्वारा बनाई जाती है।
कई कैंडलस्टिक पैटर्न का उदाहरण:

- एंगलफ़ींग पैटर्न
  बुलिश एंगलफ़ींग, बीयरिश एंगलफ़ींग, हारामी, बुलिश हारामी, बीयरिश हारामी

- पियर्सिंग पैटर्न
- डार्क क्लाउड कवर
- मॉर्निंग स्टार
- इवनिंग स्टार

कैंडलस्टिक चार्ट का विश्लेषण करते समय तीन मान्यताएँ:

1. एक को ताकत खरीदनी चाहिए और कमजोरी को बेचना चाहिए:

शक्ति आमतौर पर एक तेजी (हरे) कैंडल द्वारा दर्शायी जाती है जबकि कमजोरी एक मंदी (लाल) कैंडल द्वारा दर्शायी जाती है।

आम तौर पर हरे रंग की कैंडल के दिन खरीदना चाहिए और लाल कैंडल के दिन बेचना चाहिए।

2. एक को पूर्व प्रवृत्ति की तलाश करनी चाहिए:

अगर आप तेजी से कैंडलस्टिक पैटर्न की तलाश कर रहे हैं तो पूर्व प्रवृत्ति मंदी होनी चाहिए और इसी तरह, अगर आप एक मंदी के पैटर्न की तलाश कर रहे हैं तो पूर्व प्रवृत्ति तेज होनी चाहिए। follow:-traderavi_

Important Lessons:

- कैंडलस्टिक चार्ट एक प्रकार के तकनीकी चार्ट हैं जो बार चार्ट या लाइन चार्ट के समान मूल्य के उतार-चढ़ाव का विश्लेषण करते हैं।
- प्रत्येक कैंडलस्टिक मुख्य रूप से वास्तविक शरीर और विक्स से बना होता है जिसे छाया या पूंछ के रूप में भी जाना जाता है:
- संपत्ति का शुरुआती मूल्य> समापन मूल्य = ओपन कैंडलस्टिक बॉडी के शीर्ष पर होगा।
- संपत्ति का समापन मूल्य> प्रारंभिक मूल्य = क्लोज कैंडलस्टिक बॉडी के शीर्ष पर होगा।
- जैसा कि कैंडलस्टिक्स अधिक आकर्षक होती हैं, व्यापारी ऐसी कैंडलस्टिक पैटर्न की तलाश करता है जो निरंतरता या उलट-फेर हो सकती हो। follow:-traderavi_

traderavi

सपोर्ट और रेजिस्टेंस (Support & resistance)

दोस्तों, तकनीकी विश्लेषण में एक और चीज काफी महत्वपूर्ण होती है जिसे सपोर्ट और रेजिस्टेंस (Support and Resistant) कहते हैं।

जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है कि ये दोनों एक प्रकार से अवरोधक का कार्य करते हैं।

यह दोनों बिंदु हमे किसी शेयर की चाल कैसी होगी का अनुमान पहले से ही दे देते हैं।

इसकी मदद से हम किसी स्टॉक में आगे कैसा रुझान होगा को पहले से ही समझ सकते हैं।

Support और **resistance** इन दोनों बिन्दुओ के द्वारा हमे यह भी ज्ञात हो जाता है कि कहाँ पर मांग बढ़ रही है और कहाँ पर आपूर्ति बढ़ रही है।

यह दोनों बिन्दु तकनीकी विश्लेषण का मुख्य आधार है, इसलिए दोनों को संक्षेप में समझ लेना जरूरी हैं –

सपोर्ट किसे कहते है ? (what is support)

जैसा कि ऊपर बताया जा चुका है कि सपोर्ट एक अवरोधक का कार्य करता है।

यानी कि जब किसी शेयर का भाव गिरने लगता है तो गिरते – गिरते एक ऐसे बिंदु पर पहुंच जाता है जहाँ अवरोध उत्पन्न होने लगता है।

इसी बिंदु को Support कहते हैं। सपोर्ट किसी शेयर के भाव को और नीचे गिरने से रोकने की कोशिश करता है।

और उस शेयर के भाव को वहीं से फिर ऊपर उछलने में मदद करता है।

साधारण भाषा मे हम ये कह सकते हैं कि Support वह रेखा या बिंदु है जो किसी स्टॉक के भाव को उससे नीचे गिरने से रोकती है,

और उस स्टॉक के भाव को Support रेखा अथवा बिंदु से ही फिर ऊपर उछलने में मदद करती है।

जब किसी शेयर का भाव नीचे गिरते – गिरते अपने Support बिंदु पर जाकर रुक रहा हो, तो इस बात की ज्यादा संभावना बनती है कि अब इसके भाव मे भारी उछाल आने वाला है,

अर्थात अब इस शेयर के भाव बहुत तेजी से बढ़ने वाले है।

रेजिस्टेंस क्या है ? (what is resistance)

जैसे कि Support किसी स्टॉक के भाव को एक निश्चित बिन्दु से नीचे गिरने में अवरोध उत्पन्न करता है,

ठीक इसके उलट Resistance किसी शेयर के भाव को एक निशचिंत बिन्दु से ऊपर बढ़ने में अवरोध उत्पन्न करता है।

जहां सपोर्ट एक मांग (Demand) क्षेत्र उत्पन्न करता है, जिससे भाव बढ़ने की संभावना ज्यादा होती है,

वहीं रेजिस्टेंस आपूर्ति क्षेत्र बनाता है जहाँ से भाव गिरने की उम्मीद ज्यादा होती है।

यदि किसी शेयर का भाव बढ़ते – बढ़ते किसी ऐसे बिंदु अथवा लाईन पर पहुँचता है, जहां से और ऊपर बढ़ने में अवरोध उत्पन्न होने लगता है इसी बिंदु अथवा रेखा को Resistant कहते हैं।

रेजिस्टेंस किसी शेयर के भाव को और ऊपर बढ़ने से रोककर फिर से नीचे ढकेलने का प्रयास करता है।

जब किसी स्टॉक का भाव अपने Resistance पर जाकर रुक रहा हो तो तो इसके भाव बहुत तेजी से नीचे गिरने की भी संभावना बन जाती है।

तो आपने देखा कि एक तकनीकी विश्लेषक कैसे Chart में Support और Resistance बिंदु की पहचान कर के पहले से ही पता कर लेता है कि,

किस बिन्दु से शेयर का भाव गिरेगा और किस बिन्दु से किसी शेयर का भाव बढ़ेगा। follow:-traderavi_

Chart Patterns के प्रकार(Types of Chart Patterns)

Chart Patterns और **Support And Resistant** को समझ कर निवेशक और इंट्राडे ट्रेडर दोनों शेयर बाजार से काफी अच्छा पैसा बना सकते हैं।

अर्थात ऐसे Chart Patterns जो किसी ट्रेडर को ये संकेत देते हैं कि आने वाले समय मे इस शेयर का भाव ऊपर जाएगा या नीचे आएगा।

किसी भी स्टॉक के चार्ट पर मुख्यतः दो प्रकार के पैटर्न बनते हैं

पहला रिवर्सल (Reversal) और दूसरा **कंटीन्यूवेशन (Continuation)**

तकनीकी विश्लेषण में इन्हीं दो प्रकार के Chart Pattern का विश्लेषण कर के अपनी ट्रेडिंग योजना तैयार की जाती है।

(Reversal Chart Pattern)

Reversal Pattern किसी ट्रेडर को यह संकेत देता है कि अभी तक बाजार में जो ट्रेन्ड चल रहा था वह अब बदलने वाला है।

अर्थात, यदि अभी तक किसी स्टॉक का भाव बढ़ रहा था अथवा भाव गिर रहा था,

तो अब उसमें बदलाव होने जा रहा है यदि अभी तक भाव बढ़ रहा था तो अब ज्यादा संभावना है कि भाव गिरना शुरू हो जाएगा।

वहीं यदि भाव अभी तक गिर रहा था तो यह गिरावट अब रुकने वाली है और उस स्टॉक का भाव अब बढ़ना शुरू हो सकता है।

(Continuation Chart Pattern)

जब किसी स्टॉक के Chart पर इस तरह के Pattern बनते हैं तो यह संकेत मिलता है कि इस स्टॉक के भाव में जो ट्रेंड चल रहा है वह अभी बरकरार रहेगा।

मतलब कि यदि किसी शेयर का भाव अभी तक ऊपर जा रहा है तो अभी वह और ऊपर जा सकता है।

और यदि स्टॉक का भाव गिर रहा है तो अभी वह और ज्यादा गिरेगा।

किसी स्टॉक में Continuation Chart Pattern हमें यह संकेत देता है कि इस स्टॉक में जो ट्रेन्ड चल रहा है अभी उसमे कोई परिवर्तन होने की संभावना नही है।

तकनीकी विश्लेषण करने वाले ट्रेडर को यह Pattern Chart पर कैसे दिखते हैं और कब दिखते हैं तथा किस पैटर्न का क्या अर्थ होता है ?

नीचे के विवरण से इसको सरलता से समझ सकते हैं।

कुछ महत्वपूर्ण Chart Pattern(Some Important Chart Patterns)

वैसे तो चार्ट पर बहुत से पैटर्न बनते दिखाई देते हैं, परंतु यहां टेक्निकल एनालिसिस के दृष्टिकोण से कुछ अतिमहत्वपूर्ण Chart Patterns का उल्लेख किया जा रहा है।

1 – डबल टॉप पैटर्न क्या होता है ?(Double Top Pattern)

यह पैटर्न किसी कैण्डल स्टिक चार्ट पर अंग्रेजी के अक्षर 'M' के आकार

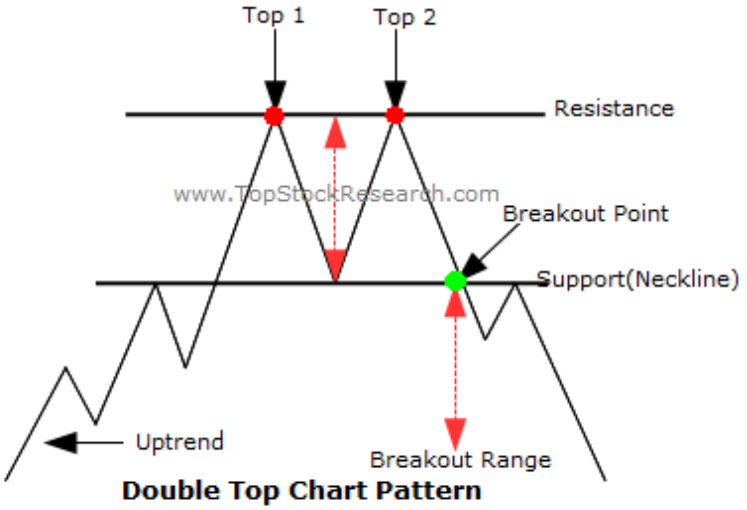

Double Top Chart Pattern

जैसा दिखाई देता है।

इस पैटर्न के अनुसार जब कोई स्टॉक किसी भाव के आस – पास ही काफी देर रुके रहने के बाद,

ऊपर किसी भाव तक जाकर फिर थोड़ा नीचे किसी भाव पर आकर कुछ समय रुकता है और फिर ऊपर की ओर वही तक जाता है जहाँ से नीचे आया था,

और वहां कुछ समय रुकने के बाद नीचे फिर वही आ जाता है जहाँ से पहले ऊपर चला था तो यह पैटर्न पूरा हुआ माना जाता है।

ऐसा पैटर्न बनने पर इस स्टॉक में बहुत ज्यादा संभावना यही होती है कि इसका डाउन ट्रेंड शुरू हो चुका है और अब इसके भाव नीचे ही गिरेंगे।

2 – डबल बॉटम पैटर्न कैसे बनता है ? (Double Bottom Pattern)

यह पैटर्न डबल टॉप पैटर्न का एकदम उल्टा होता है, इसका आकार अंग्रेजी के अक्षर 'W' के जैसा होता है, Double Top Pattern जहाँ ये संकेत देता है कि शेयर का भाव नीचे गिरेगा वहीं Double Bottom Pattern यह संकेत देता है कि अब शेयर का भाव ऊपर जाएगा।

यह पैटर्न कुछ इस तरह से बनता है कि यदि किसी शेयर का भाव गिर रहा हो तथा गिरते – गिरते किसी एक स्थान पर जाकर रुकने लगे,

अर्थात एक Bottom बनाये फिर वहाँ से ऊपर की ओर बढ़ना शुरू कर दे तथा बढ़ते हुए किसी एक स्थान पर आकर रुके,

फिर वहां से कुछ नीचे जाए कुछ देर रुक कर फिर ऊपर की ओर बढ़े और अपने उसी भाव के पास पहुचे जहां से गिरा था,

तो ऐसी स्थित में बहुत ज्यादा उम्मीद यही होती है कि अब यह शेयर ऊपर की ओर ही बढ़ेगा मतलब की अब इसके भाव मे काफी बढ़ोत्तरी होने वाली है।

इस पैटर्न को आप सलग्न चित्र से आसानी से समझ सकते हैं।

3 – हेड और शोल्डर्स पैटर्न किसे कहते हैं ? (Head And Shoulders Pattern) follow:-traderavi_

यह भी एक रिवर्सल पैटर्न है, जिससे यह अनुमान लगता है कि पैटर्न पूरा हो जाने के बाद शेयर के भाव गिरना शुरू हो जायेगा।

Head And Shoulders Pattern ट्रेडरों के बीच काफी लोकप्रिय है ज्यादातर ट्रेडर इसे बहुत ही विश्वशनीय पैटर्न मानते हैं ।

जैसे कि नाम से ही प्रतीत होता है कि इसमें दो कंधों के बीच एक सिर जैसी आकृति बनती है इसमें एक गर्दन लाइन (Neck Line) भी होती है।

इस पैटर्न में चार विभाग होते हैं, इसके अनुसार जब किसी स्टॉक का भाव नीचे से उठकर नैक लाइन क्रॉस करते हुए ऊपर की ओर जाता है,

तथा ऊपर कुछ दूर जाने के बाद फिर नीचे नैक लाइन के आसपास आ जाता है और कुछ देर वही ट्रेंड करने के बाद,

फिर ऊपर अपने पिछले हाई के ऊपर निकल कर पुनः पिछले हाई के आसपास ट्रेंड कर के नेकलाइन के पास आ जाता है।

अब यह एक स्पष्ट संकेत होता है कि इस शेयर के भाव नीचे ही गिरेंगे। यह एक बहुत ही विश्वशनीय संकेत होता है।

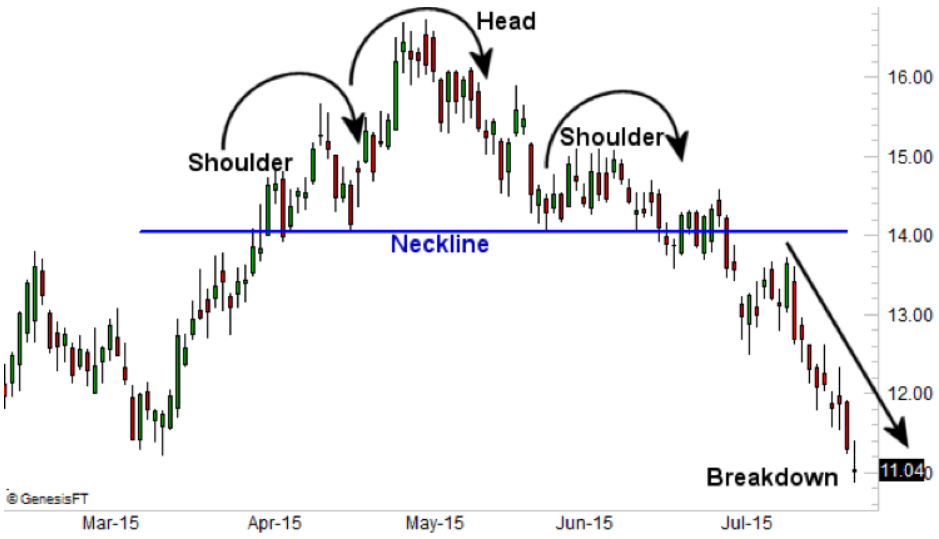

4- इनवर्टेड हेड और शोल्डर्स पैटर्न (Inverted Head And Shoulders Pattern)

यह पैटर्न Head & Shoulders Pattern के बिल्कुल विपरीत होता है यह उसके विपरीत दिशा में बनता है।

जहाँ हेड और शोल्डर्स पैटर्न यह बताता है कि किसी शेयर के भाव में गिरावट होने वाली है,

वहीं Inverted Head And Shoulders Pattern यह संकेत देता है कि किसी शेयर के भाव मे अब उछाल आने वाला है,

यानी कि अब इस शेयर के भाव बढ़ने वाले हैं।

5 – फ्लैग पैटर्न क्या है ? (Flag Pattern)

Flag Pattern एक कंटीन्यूवेशन पैटर्न है यह इस बात का संकेत देता है कि किसी शेयर के भाव मे जो ट्रेन्ड चल रहा है आगे भी अभी वही ट्रेंड जारी रहेगा।

दोस्तों जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है कि इसमें नीचे चित्रानुसार एक झंडे नुमा आकृति बनती है, follow:-traderavi_

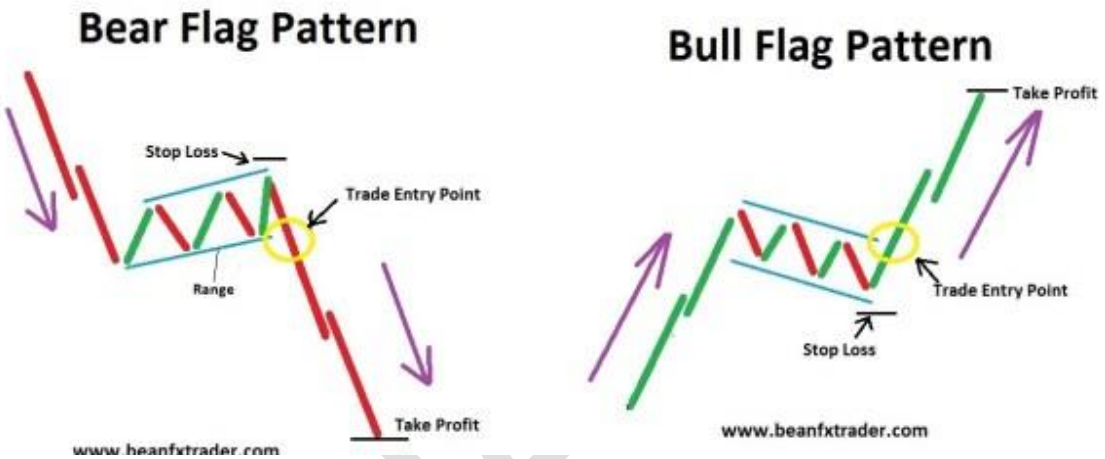

trade

6 – (Pennant Pattern) follow:-traderavi_

यह पैटर्न एक कंटीन्यूवेशन पैटर्न होता है जिसमे एक त्रिकोण जैसी रचना दिखाई देती है।

जब किसी शेयर का भाव नीचे से ऊपर की ओर जाकर फिर नीचे आता है और ऐसी प्रत्येक गिरावट अपनी पिछली गिरावट से कम होती है (नीचे दिए चित्र से आप आसानी से समझ सकते हैं) ।Pennant Pattern यह संकेत देता है कि इस स्टॉक के भाव मे धीरे – धीरे बढ़ोत्तरी हो रही है और आगे यह बढ़ोत्तरी काफी तेजी पकड़ सकती है।

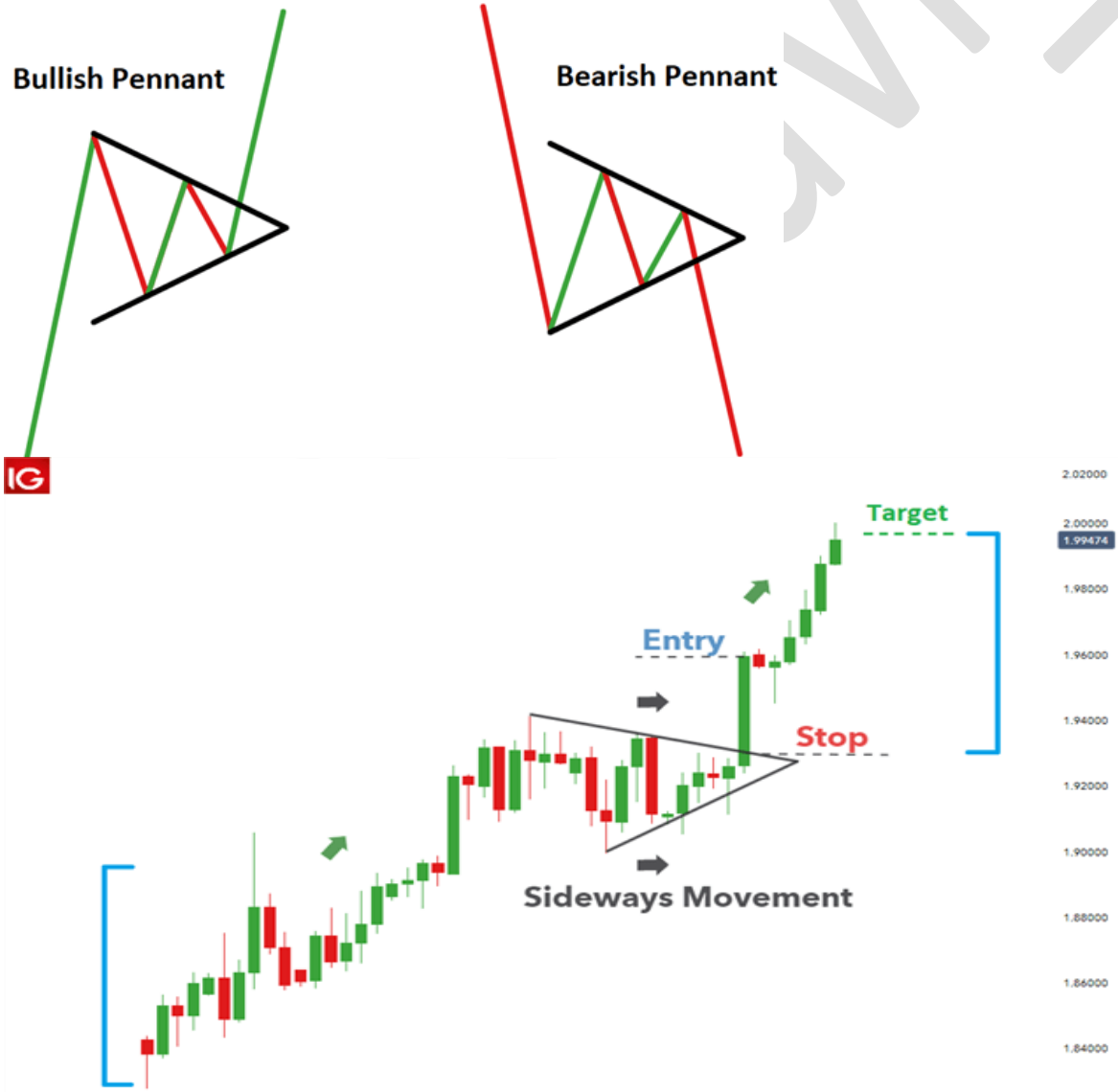

Falling Wedge Chart Pattern In Hindi

Falling Wedge Chart Pattern चार्ट में नीचे की और बढ़ते हुआ खिले की तरह दिखाई देता है।

Falling Wedge Chart Pattern *मंदी यानी गिरावट के समय* में दिखने वाला Bullish Reversal pattern है।

इसका मतलब है की अब आने वाले समय में शेयर में मंदी का समय समाप्त हो गया और तेजी आने की सरुआत होने वाली है।

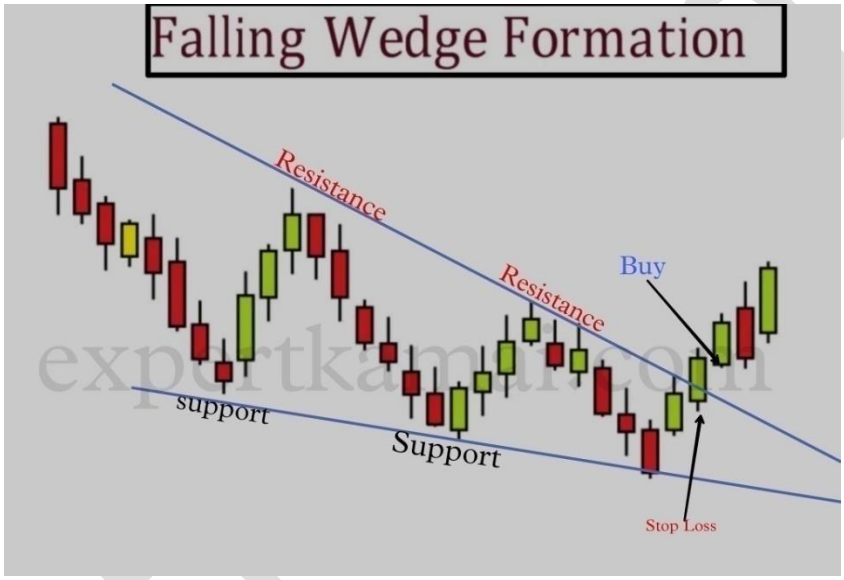

जैसा की ऊपर वाले चार्ट में दिखाई दे रहा है की लंबी मंदी के बाद चार्ट में Falling Wedge Chart Pattern बना है।

यह पैटर्न बनने से पहले शेयर में मंदी यानी down trend होना आवश्यक है।

Down trend के बाद शेयर एक support लेकर तेज होता है लेकिन यह तेजी मंदी को बरकरार रखते हुआ पास में resistance लेकर रुक जाता है।

ऐसे 1st support और 1sr resistance बनता है।

1st Resistance बनने के बाद price फिरसे पहले support के नीचे आकर दूसरा support बनाता है ऐसे 2nd Support की रचना होती है।

दूसरा support बनाकर priceफिरसे तेज होता है और दूसरा resistance बनाता है यह resistance पहले resistance की तुलना में छोटा होता है।

अब हम देख सकते है की हमारे पास दो support और दो resistance बनके तैयार हो गए है।

अब हम चार्ट में दो resistance के high को touch करते हुए एक trend Line बनाते है उसको Resistance Line कहते है।

ठीक ऐसे ही दोनो Support के Low price को touch करते हुए एक trend Line बनाए उसको Support Line भी कहते है।
यह याद रखे की Falling Wedge Chart Pattern मे दो support और दो resistance का होना आवस्यक है उससे ज्यादा हो तो इसकी accuracy बढ जाति है।

चार्ट में जब trend line बनाए तब Support Line की तुलना मे Resistance Line का slop ज्यादा होना चाहिए जिससे दोनो लाइन एक दूसरे को touch करे।

दोनो लाइन का एक दूसरे से मिलना बहुत जरूरी है अगर ऐसा नहीं होता तो उसको Falling Wedge Chart Pattern नही माना जायेगा। follow:-traderavi_

Rising Wedge Chart क्या है ?

जैसा की आप ऊपर देख रहे है की यह एक चार्ट पैटर्न का ही प्रकार है।
Rising Wedge चार्ट एक bearish यानि मंदी को प्रदर्शित करने वाला चार्ट है। इसका मतलब है जब यह चार्ट बनता है उसके बाद बाजार या शेयर में तेजी का समय खत्म हो चुका है और मंदी की शरुआत होने वाली है।
Rising Wedge चार्ट तेजी के ट्रेंड में दिखाई देता है इसके अलावा यह दिखाई दे तो यह काम नही करता।
Rising Wedge Chart अगर दो या दो से अधिक सपोर्ट और resistance ले कर बनता है तो यह बहुत अच्छे से काम करता है।
Rising Wedge चार्ट intraday मे भी अच्छे परिणाम दे देता है।

आप यहां देख सकते है की शेयर में लंबी तेजी के बाद चार्ट में Rising Wedge दिखाई दे रहा है।

यह जरूरी है की जब Rising Wedge बने तब शेयर में तेजी हो।

तेजी के ट्रेंड में कैंडल एक प्राइज पर resistance लेकर नीचे आता है और किसी एक प्राइज पर सपोर्ट लेकर फिर से तेज हो जाता है।

इस तरह से चार्ट में 1st support और 1st resistance की रचना होती है।

शेयर 1st support ले कर तेजी पकड़ता है और यह तेजी 1st resistance के high price से ज्यादा होती है। वहासे फिर से रेजिस्टेंस ले कर शेयर नीचे आता है।

ऐसे 2nd support और 2nd resistance की रचना होती है। follow:-traderavi_

जब शेयर 2nd support बनाकर ऊपर जाता है फिर वहासे एकदम तेजी के साथ नीचे आता है और down trend की शरुआत होती है।

अब Rising Wedge की मदद से पोजिशन बनाने के लिए हमे ऊपर दिखाई गई फोटो कि तरह दो(2) line बनानी है।

यह 1st और 2nd resistance को जोड़ती हुई लाइन बनानी है उसको Resistance Line कहते है।

दूसरा, यहां 1st support और 2nd support को जोड़ती हुई दूसरी लाइन बनानी है उसको Support Line कहते है।

ध्यान रहे support Line और Resistance Line एक दूसरे से मिलनी चाहिए।

जब शेयर में किसी कैंडल का भाव(price) Support Line के नीचे आ जाए इसके बाद की कैंडल के Open Price पर Sell की पोजिशन बनानी है।

Sell की पोजिशन बनने के साथ हमे जिस कैंडल सपोर्ट लाइन को cross की है उसके Low price पर Stop Loss लगाना है। follow:-traderavi_

Symmetrical Triangle pattern क्या है ? follow:-traderavi_

जब market एक ट्रेंड में हो और अचानक से किसी level पर रुक कर समय बिताने लगता है और न तो वह अपने पिछले high को ब्रैक करता है और न ही अपने पिछले low को ब्रैक करता है साथ ही साथ ट्रेंड line के अन्दर ही shrink होते जाता है, तब यहाँ एक upside या downside का fast move देखने को मिलता है | लेकिन ट्रेंड के हिसाब से ट्रैड लेना ज्यादा उत्तम मन जाता है|

Ascending Triangle क्या है ?

जब market एक up ट्रेंड में हो और अचानक से किसी level पे बार बार resistance लेता है, और न तो वह अपने पिछले high को ब्रैक करता है और न ही अपने पिछले low को ब्रैक करता है साथ ही साथ ट्रेंड line के अन्दर ही shrink होते जाता है, तब यहाँ एक upside का fast move देखने को मिलता है |

Descending Triangle क्या है ? follow:-traderavi_

यह पैटर्न भी Ascending Triangle पैटर्न की तरह ही है, परन्तु यह downtrand में बनता है| और support level को बार बार tuch करके ऊपर चला जाता है, और अपने high को ब्रैक न करके नया low बनाते हुए shrink हो जाता है तब हमे यहाँ downside का movement बहुत fast होते हुए देखने को मिलता है |

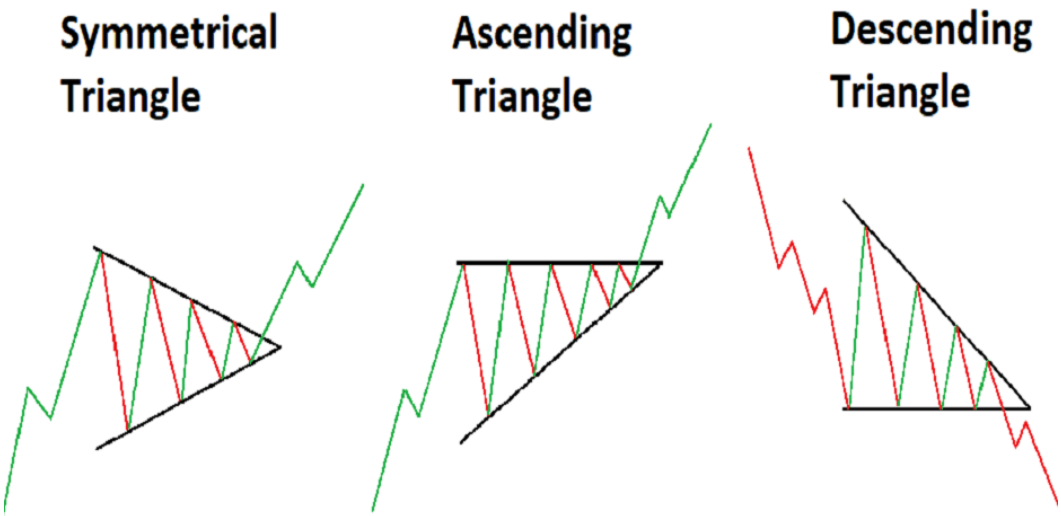

Volume

वॉल्यूम टेक्निकल एनालिसिस में बहुत जरूरी भूमिका निभाता है क्योंकि यह हमें रुझानों (ट्रेंड) और पैटर्न की पुष्टि करने में मदद करता है। बाजार के कारोबारी, बाजार के बारे में क्या सोच रहे हैं ये जानने के लिए वॉल्यूम पर नज़र रखना जरूरी होता है।

वॉल्यूम संकेत देते हैं कि किसी एक समय अवधि में कितने शेयर खरीदे और बेचे गए हैं। कोई शेयर जितना अधिक सक्रिय होगा, उसका वॉल्यूम उतना ही अधिक होगा। उदाहरण के लिए, आप अमारा राजा बैटरी के 100 शेयर 485 पर खरीदने का फैसला करते हैं, और मैं 485 पर अमरा राजा बैटरी के 100 शेयर बेचने का फैसला करता हूं। यहाँ कीमत और वॉल्यूम का मैच है, जिसके परिणामस्वरूप एक व्यापार होता है। आपने और मैंने मिलकर 100 शेयरों का वाल्यूम बनाया है। कई लोग वॉल्यूम काउंट को 200 (100 खरीदे + 100 बेचे) मान लेते हैं, जो वॉल्यूम को देखने का सही तरीका नहीं है। निम्नलिखित काल्पनिक उदाहरण से आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि किसी एक दिन में वॉल्यूम कैसे बढ़ता है:

क्रम सं	समय	खरीद संख्या	बिक्री संख्या	कीमत	वॉल्यूम	बढ़ता कुल वॉल्यूम
1	9:30 AM	400	400	62.2	400	400
2	10.30 AM	500	500	62.75	500	900
3	11:30 AM	350	350	63.1	350	1,250
4	12:30 PM	150	150	63.5	150	1,400
5	1:30 PM	625	625	63.75	625	2,025

trader

क्रम सं	समय	खरीद संख्या	बिक्री संख्या	कीमत	वॉल्यूम	बढ़ता कुल वॉल्यूम
6	2:30 PM	475	475	64.2	475	2,500
7	3:30 PM	800	800	64.5	800	3,300

सुबह 9:30 बजे 62.20 की कीमत पर 400 शेयरों की खरीद-बिक्री हुई। एक घंटे बाद, 500 शेयरों का कारोबार 62.75 पर हुआ। इसलिए सुबह 10:30 बजे यदि आप दिन के लिए कुल वॉल्यूम को देखते हैं, तो यह 900 (400 + 500) होगा। इसी तरह सुबह 11:30 बजे, 63.10 पर 350 शेयरों की खरीद-बिक्री हुई । अब 11:30 बजे तक वॉल्यूम 1,250 (400 + 500 + 350) हो जाएगा। इसी तरह आगे भी चलता रहेगा। यहाँ कुछ शेयरों के लिए वॉल्यूम को बताने वाला लाइव बाजार से एक स्क्रीन शॉट नीचे है। इस स्क्रीन शॉट को 5 अगस्त 2014 को अपराह्न/दोपहर 2:55 बजे लिया गया।

आप ध्यान दें कि, कमिंस इंडिया लिमिटेड (Cummins India Limited) का वॉल्यूम 12,72,737 शेयर है, इसी तरह नौकरी (इन्फो एज इंडिया लिमिटेड) का वॉल्यूम 85,427 शेयर है। वॉल्यूम जानकारी जो आप यहां देख रहे हैं वह कुल वॉल्यूम (cumulative) है। मतलब, 2:55 बजे, 634.90 (लो) और 689.85 (हाई) से लेकर विभिन्न मूल्य बिंदुओं पर कमिंस के कुल 12,72,737 शेयरों का कारोबार हुआ। बाजार बंद होने के 35 मिनट बचे होने के समय, वॉल्यूम में बढोत्तरी तर्कसंगत है (बेशक यह मानते हुए कि कारोबारी बाकी बचे हुए समय में भी स्टॉक में ट्रेड करना जारी रखेंगे)। वास्तव में यहां एक और स्क्रीन शॉट है जो उसी शाम 3:30 बजे उन्हीं स्टॉक के लिए लिया गया है।

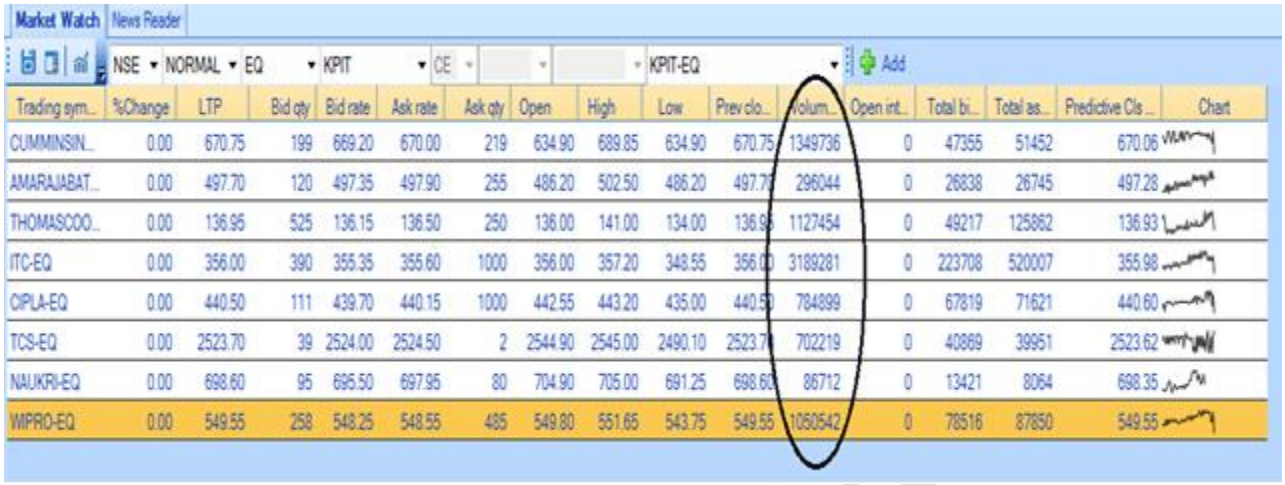

Trading sym...	%Change	LTP	Bid qty	Bid rate	Ask rate	Ask qty	Open	High	Low	Prev clo...	Volum...	Open int...	Total bi...	Total as...	Predictive Cls ...	Chart
CUMMINSIN...	0.00	670.75	199	669.20	670.00	219	634.90	689.85	634.90	670.75	1349736	0	47355	51452	670.06	
AMARAJABAT...	0.00	497.70	120	497.35	497.90	255	486.20	502.50	486.20	497.70	296044	0	26838	26745	497.28	
THOMASCOO...	0.00	136.95	525	136.15	136.50	250	136.00	141.00	134.00	136.95	1127454	0	49217	125862	136.93	
ITC-EQ	0.00	356.00	390	355.35	355.60	1000	356.00	357.20	348.55	356.00	3189281	0	223708	520007	355.98	
CIPLA-EQ	0.00	440.50	111	439.70	440.15	1000	442.55	443.20	435.00	440.50	784899	0	67819	71621	440.60	
TCS-EQ	0.00	2523.70	39	2524.00	2524.50	2	2544.90	2545.00	2490.10	2523.70	702219	0	40869	39951	2523.62	
NAUKRI-EQ	0.00	698.60	95	696.50	697.95	80	704.90	705.00	691.25	698.60	86712	0	13421	8064	698.35	
WIPRO-EQ	0.00	549.55	258	548.25	548.55	485	549.80	551.65	543.75	549.55	1060542	0	76516	87850	549.55	

जैसा कि आप देख सकते हैं, कमिंस इंडिया लिमिटेड का वॉल्यूम 12,72,737 से बढ़कर 13,49,736 हो गया है। इसलिए, कमिंस इंडिया के लिए दिन का वॉल्यूम 13,49,736 शेयर है। नौकरी (Naukri) के लिए कुल वॉल्यूम 86,712 हुए, यानी नौकरी के शेयर का वॉल्यूम 85,427 से बढ़कर 86,712 हो गया है। आपके लिए यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यहां दिखाए गए वॉल्यूम दिन के कुल वॉल्यूम का जोड़ हैं यानी हर ट्रेड का वॉल्यूम जोड़ कर बनने वाली संख्या।

वॉल्यूम ट्रेंड तालिका

अपने आप में वॉल्यूम की जानकारी का कोई खास उपयोग नहीं है। उदाहरण के लिए, हम जानते हैं कि कमिंस इंडिया पर वॉल्यूम 13,49,736 शेयर है। तो अलग से सिर्फ यह जानकारी कितनी उपयोगी है? वास्तव में इसका कोई मतलब नहीं होगा। हालाँकि जब आप आज की वॉल्यूम की जानकारी को – पहले की कीमत और वॉल्यूम के ट्रेंड के साथ देखते हैं, तो फिर वॉल्यूम की जानकारी बहुत अधिक काम की हो जाती है।

नीचे दी गई तालिका में आपको वॉल्यूम जानकारी का उपयोग करने का एक सारांश मिलेगा:

क्रम सं	कीमत	वॉल्यूम	आगे की उम्मीद
1	बढ़त	बढ़त	बुलिश
2	बढ़त	गिरावट	सावधान-खरीदारी में दम नहीं
3	गिरावट	बढ़त	बेयरिश

क्रम सं	कीमत	वॉल्यूम	आगे की उम्मीद
4	गिरावट	गिरावट	सावधान-बिकवाली में दम नहीं

ऊपर दी गई तालिका में पहली पंक्ति कहती है, जब कीमत में बढ़त के साथ-साथ वॉल्यूम बढ़ता है, तो उम्मीद तेजी की (बुलिश) होती है।

इससे पहले कि हम ऊपर दी गई तालिका को समझें, इस बारे में सोचें – हम 'वॉल्यूम में बढ़ोतरी' के बारे में बात कर रहे हैं। इसका वास्तव में क्या मतलब है? इसक संदर्भ यहां क्या है? क्या यहाँ पिछले दिन के वॉल्यूम की बात हो रही है या पिछले सप्ताह के कुल वॉल्यूम की? वृद्धि कहाँ होनी चाहिए?

कारोबारी आमतौर पर पिछले 10 दिनों के वॉल्यूम के औसत की तुलना आज के वॉल्यूम से करते हैं। आमतौर पर वाल्यूम को ऐसे परिभाषित किया जाता है :

हाई वॉल्यूम = आज का वॉल्यूम > पिछले 10 दिनों का औसत वॉल्यूम

लो वॉल्यूम = आज का वॉल्यूम < पिछले 10 दिनों का औसत वाल्यूम

एवरेज वॉल्यूम = आज का वॉल्यूम = पिछले 10 दिनों का औसत वॉल्यूम

पिछले 10 दिन का औसत वॉल्यूम जानने के लिए, आपको केवल वॉल्यूम बार पर एक मूविंग एवरेज लाइन खींचनी होगी।

ऊपर दिए गए चार्ट में, आप देख सकते हैं कि वॉल्यूम नीले रंग के बार के रूप (चार्ट के नीचे) में दिखाए गए हैं। वॉल्यूम बार पर खींची गई लाल रेखा 10 दिन के औसत को दर्शाती है। जैसा कि आप देख सकते हैं, 10 दिनों के औसत से अधिक और ऊपर वाले सभी वॉल्यूम बार को ज्यादा वॉल्यूम का दिन माना जा सकता है। इन दिनों पर कुछ संस्थागत गतिविधि (Institutional activity)या बड़ी भागीदारी हुई है।

वॉल्यूम ट्रेंड चार्ट के पीछे की सोच

जब संस्थागत निवेशक खरीद या बिक्री करते हैं, तो वे स्पष्ट रूप से छोटे सौदे नहीं करते हैं। उदाहरण के लिए, भारत के LIC के बारे में सोचें, वे भारत में सबसे बड़े घरेलू संस्थागत निवेशकों में से एक हैं। अगर वे कमिंस इंडिया के शेयर खरीदेंगे, तो क्या आप सोचेंगे कि वे 500 शेयर खरीदेंगे? जाहिर है, वे शायद 500,000 शेयर या इससे भी अधिक खरीदेंगे। अब, अगर वे खुले बाजार से 500,000 शेयर खरीदने वाले थे, तो यह वॉल्यूम में दिखने लगेगा। इसके अलावा, क्योंकि वे शेयरों का एक बड़ा हिस्सा खरीद रहे हैं, शेयर की कीमत भी बढ़ जाती है। आमतौर पर संस्थागत धन को "स्मार्ट मनी" कहा जाता है। यह माना जाता है कि स्मार्ट मनी बाजार में छोटे कारोबारियों की तुलना में हमेशा समझदारी से निवेश करता है। इसलिए स्मार्ट मनी का अनुसरण करना एक बुद्धिमानी का काम है।

यदि कीमत और वॉल्यूम दोनों में बढ़ोतरी हो रही है तो इसका केवल एक ही मतलब है – एक बड़ा खिलाड़ी स्टॉक में दिलचस्पी दिखा रहा है। ऐसे में स्टॉक को खरीदना चाहिए क्योंकि ये धारणा है कि स्मार्ट मनी हमेशा स्मार्ट निवेश करती है।

या कह सकते हैं कि, जब भी आप खरीदने का फैसला करते हैं, तो सुनिश्चित करें कि वॉल्यूम पर्याप्त हैं। इसका मतलब है कि आप स्मार्ट मनी के साथ खरीद रहे हैं।

यही बात ऊपर वॉल्यूम ट्रेंड तालिका की पहली पंक्ति भी बता रही थी- जब कीमत और वॉल्यूम दोनों बढ़ जाते है तो तेजी की उम्मीद बन जाती है। लेकिन दूसरी पंक्ति में संकेत के अनुसार जब मूल्य बढ़ता है और वॉल्यूम घट जाता है, तब आपको क्या लगता है?

निम्नलिखित बातों के आधार पर इसके बारे में सोचें:

- क्यों बढ़ रही है कीमत? क्योंकि बाजार में खरीदारी हो रही है।
- क्या कोई संस्थागत खरीदार कीमत बढ़ने के लिए जिम्मेदार हैं? कम संभावना है।आप कैसे जानेंगे कि संस्थागत निवेशकों द्वारा कोई खास खरीद नहीं की जा रही है? आसान है, यदि वे खरीद रहे थे तो वॉल्यूम में वृद्धि होती, कमी नहीं।
- तो घटते वॉल्यूम और साथ में कीमत बढ़ने का क्या अर्थ है?

  इसका मतलब है कि एक छोटी खुदरा भागीदारी के कारण कीमत बढ़ रही है, बड़ी संस्थागत खरीद से नहीं। इसलिए आपको सतर्क रहने की आवश्यकता है क्योंकि यह एक बुल ट्रैप हो सकता है और आप फंस सकते हैं।

आगे बढ़ते हैं, ऊपर की तालिका की तीसरी पंक्ति कहती है, वॉल्यूम में वृद्धि के साथ कीमत में कमी – एक मंदी की उम्मीद जगाती है। आप ऐसा क्यों सोचते हैं? मूल्य में कमी से संकेत मिलता है कि बाजार कारोबारी स्टॉक बेच रहे हैं। वॉल्यूम में वृद्धि स्मार्ट मनी की उपस्थिति को इंगित करती है। एक साथ होने वाली दोनों घटनाओं (मूल्य में कमी + वॉल्यूम में वृद्धि) का मतलब यह होना चाहिए कि स्मार्ट मनी स्टॉक बेच रहा है। चूंकि स्मार्ट मनी हमेशा स्मार्ट विकल्प चुनती है, इसलिए स्टॉक में बिक्री के अवसर को तलाशना चाहिए।

या दूसरे ढंग से कहें तो, जब भी आप बेचने का फैसला करते हैं, तो सुनिश्चित करें कि वॉल्यूम अच्छे हैं। इसका मतलब है कि आप भी स्मार्ट मनी के साथ बेच रहे हैं।

आगे बढ़ते हैं, आपको क्या लगता है कि चौथी पंक्ति में, जहां, वॉल्यूम और कीमत दोनों में कमी आती है, वहाँ क्या संकेत हैं? निम्नलिखित बातों पर ध्यान दीजिए:

- क्यों घट रही है कीमत? क्योंकि बाजार के सहभागी बेच रहे हैं।

Traderavi

Fibonacci Retracement

फिबोनाची रीट्रेसमेंट्स काफी रोचक विषय है। फिबोनाची रीट्रेसमेंट्स की अवधारणा को पूरी तरह से समझने और सराहने के लिए आपको फिबोनाची श्रृंखला को समझना होगा। कुछ दावों के मुताबिक फिबोनाची श्रृंखला की उत्पत्ति प्राचीन भारतीय गणित लिपियों में 200 ईसा पूर्व में हुई थी। लेकिन इसके मौजूदा स्वरूप की खोज 12वीं शताब्दी में इटली के पीसा शहर के गणितज्ञ लियोनार्डो पिसानो बोगोलो ने की थी। बोगोलो के दोस्त उसे फिबोनाची बुलाते थे और फिबोनाची ने ही फिबोनाची संख्या की खोज की।

(Fibonacci Retracement construction) फिबोनाची रीट्रेसमेंट का निर्माण

जैसा कि अब हम जानते हैं कि फिबोनाची रीट्रेसमेंट किसी चार्ट के उन बदलावों को दिखाते हैं जो ट्रेंड के खिलाफ जाते हैं। फिबोनाची रीट्रेसमेंट का उपयोग करने के लिए हमें पहले फिबोनाची चाल 100% मूल्य पता करना चाहिए। चाल चाहे ऊपर की रैली में हो या नीचे की रैली में। चाल के 100% को पता करने के लिए, हमें चार्ट पर सबसे हाल के हाई और लो को चुनने की जरूरत पड़ेगी। इनकी पहचान हो जाने के बाद, हम फिबोनाची रीट्रेसमेंट टूल का उपयोग करके इन्हें कनेक्ट करते हैं। अब इसके उपयोग को समझते हैं:

चरण 1) सबसे नए हाई और लो की पहचान करें। इस मामले में लो 150 पर है और हाई 240 पर है। यानी यहाँ 90 प्वाइंट की चाल है। इसका मतलब 90 प्वाइंट ही यहाँ 100% है।

चरण 2) चार्ट के टूल में से फिबोनाची रीट्रेसमेंट टूल को चुनें।

चरण 3) अब फिबोनाची रीट्रेसमेंट टूल के जरिए लो और हाई को आपस में जोड़ें।

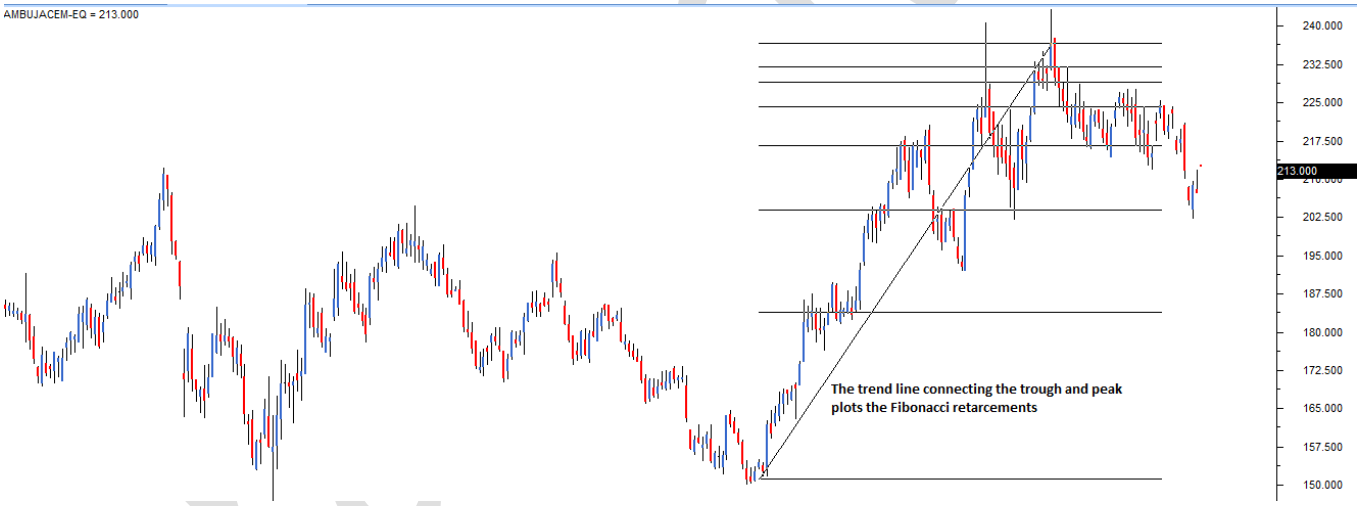

चार्ट टूल से फिबोनाची रीट्रेसमेंट टूल को चुनने के बाद ट्रेडर को पहले लो पर क्लिक करना होगा और बिना क्लिक किए उस लाइन को हाई तक खींचना होगा। इसे करने के साथ ही साथ फिबोनाची रीट्रेसमेंट स्तर चार्ट पर प्लॉट होने लगता है। जैसे ही आप सॉफ़्टवेयर में लो और हाई दोनों को चुन लेते हैं, वैसे ही रीट्रेसमेंट पहचानने की प्रक्रिया पूरी हो जाती है। दोनों बिंदुओं को चुनने के बाद चार्ट ऐसा दिखता है।

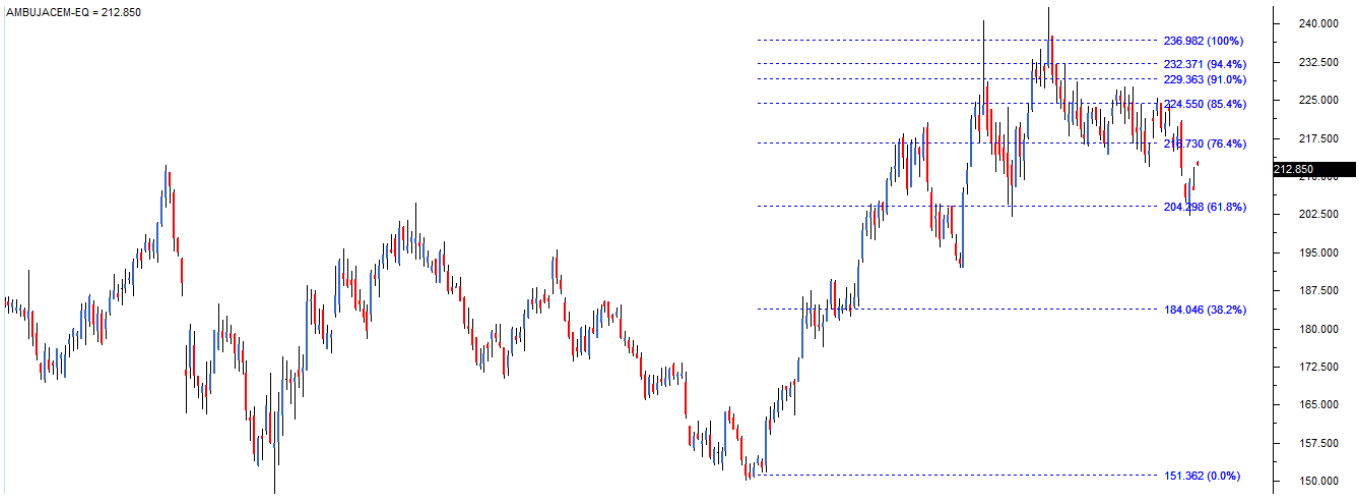

अब आप देख सकते हैं कि चार्ट पर फिबोनाची रीट्रेसमेंट स्तर बन कर दिख रहा है। इस जानकारी का उपयोग करके आप बाजार में पोजीशन बना सकते हैं।

आपको फिबोनाची रीट्रेसमेंट स्तरों का उपयोग कैसे करना चाहिए? (How should you use Fibonacci retracement levels)

एक ऐसी स्थिति के बारे में सोचें जहां आप एक खास स्टॉक खरीदना चाहते थे लेकिन उसमें बहुत ज्यादा तेजी आने के कारण आप उसे नहीं खरीद पाए। ऐसी स्थिति में सबसे समझदारी का काम होगा स्टॉक में रीट्रेसमेंट के लिए इंतजार करना। वो स्टॉक फिबोनाची रीट्रेसमेंट स्तर यानी 61.8%, 38.2% और 23.6% तक गिर (रीट्रेस) सकता है।

फिबोनाची रीट्रेसमेंट स्तर को चार्ट पर पहचान कर ट्रेडर इन स्तरों पर में स्टॉक में प्रवेश करने के अवसर के लिए तैयार रह सकता है। लेकिन, याद रखें कि किसी भी दूसरे इंडिकेटर की तरह ही इसका इस्तेमाल भी पुष्टि के लिए ही करना चाहिए।

मतलब ये कि चेकलिस्ट की बाकी शर्तों के पूरा होने के बाद ही मैं शेयर खरीदूंगा सिर्फ फिबोनाची रीट्रेसमेंट के आधार पर नहीं। दूसरे शब्दों में, स्टॉक तो खरीदने के लिए मेरा विश्वास अधिक होगा अगर:

- एक पहचानने योग्य कैंडलस्टिक पैटर्न का बन रहा है।
- स्टॉपलॉस और S&R स्तर मेल खा रहे हैं।
- वॉल्यूम औसत से ऊपर हैं।

ऊपर के बिदुओं के साथ साथ अगर स्टॉपलॉस भी फिबोनाची स्तर के साथ मेल खाता है, तो मुझे पता है कि ट्रेड सेटअप सभी शर्तो को पूरा कर रहा है और इससे मेरा भरोसा बढेगा और मैं खरीदने के लिए मजबूती से जाऊंगा। याद रखिए कि ट्रेंड और रिवर्सल का अध्ययन करते हुए हम जितने ज्यादा तरीकों से इनकी पुष्टि करते हैं, संकेत उतना ही भरोसेमंद होता है। शॉर्ट ट्रेड या लांग, दोनों के लिए।

मुख्य बातें :-

1. फिबोनाची रीट्रेसमेंट का आधार फिबोनाची श्रृंखला बनाती है।
2. एक फिबोनाची श्रृंखला में कई गणितीय गुण हैं। ये गणितीय गुण प्रकृति के कई पहलुओं में भी दिखते हैं।
3. कारोबारी मानते हैं कि स्टॉक चार्ट में फिबोनाची श्रृंखला का उपयोग है क्योंकि यह संभावित रीट्रेसमेंट स्तरों की पहचान करता है।
4. फिबोनाची रीट्रेसमेंट स्तर (61.8%, 38.2%, और 23.6%) हैं, एक तेजी से चढ़ता शेयर अपने ट्रेंड की मूल दिशा में फिर से चलने से पहले संभवतः इन स्तरों तक वापस गिर सकता है।
5. फिबोनाची रीट्रेसमेंट स्तर पर ट्रेडर एक नया ट्रेड शुरू करने पर विचार कर सकता है। हालांकि, व्यापार शुरू करने से पहले उसे चेकलिस्ट में दिए गए अन्य बिंदुओं की भी पुष्टि करनी चाहिए।

follow:-traderavi_

traderavi

indicators

मूविंग एवरेज

यह सबसे अधिक इस्तेमाल किए जाने वाले इंट्राडे ट्रेडिंग इंडिकेटर में से एक है।
मूविंग एवरेज एक ऐसी सामान्य रेखा है जो किसी सिक्योरिटी के क्लोजिंग प्राइस को एक निश्चित अवधि के दौरान दर्शाती है।
जैसे किसी सिक्योरिटी की सही दिशा को समझने के लिए औसत **100** दिन लगते हैं।
इसे डे ट्रेडिंग फ्यूचर के लिए सर्वश्रेष्ठ इंडिकेटर में से एक माना जाता है, क्योंकि यह आपको उस स्टॉक की कीमत की पहचान करने में मदद करता है जिस पर आप ट्रेड करना चाहते हैं।

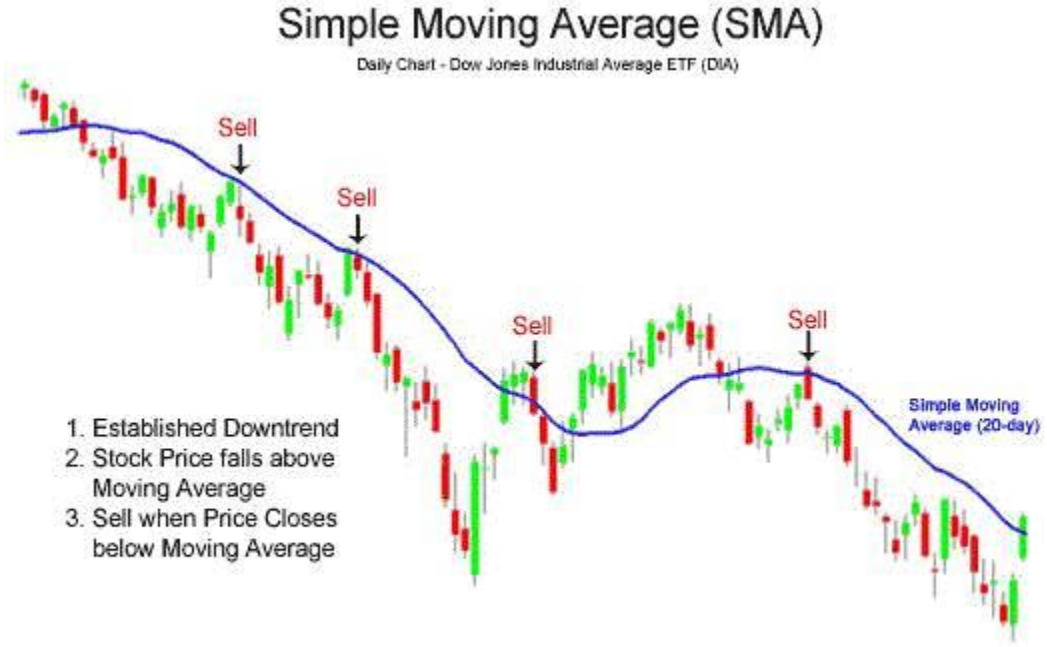

यह अवधि जितनी लम्बी चलती है, हमारा किसी भी सिक्योरिटी की मूविंग एवरेज का अनुमान अधिक सटीक और भरोसेमंद हो सकता है।
यह ट्रेडर्स को करंट ट्रेंड की दिशा में ट्रेड के अवसरों का पता लगाने में मदद करता है और स्पष्ट तस्वीर देने के लिए बाजार की अस्थिरता को व्यापक रूप से एनालिसिस करता है।
यह मार्केट की पूरी जानकारी देता है जिसे जानना किसी भी इंट्राडे ट्रेडर के लिए बहुत महत्वपूर्ण और विशेष होता है।
इसके माध्यम से ट्रेंड, रिवर्सल ऑफ़ ट्रेंड, स्टॉप लॉस और ट्रेलिंग स्टॉप लॉस पॉइंट आदि का पता लगता है।
सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाले मूविंग एवरेज ट्रेडिंग इंडिकेटर में से एक **कॉफमैन एडेप्टिव मूविंग एवरेज इंडिकेटर** है। follow:-traderavi_

मूविंग एवरेज कन्वर्जेन्स डाइवर्जेन्स (MACD)

MACD सबसे विश्वसनीय इंट्राडे ट्रेडिंग इंडिकेटर में से एक है। यह विशेषकर, मोमेंटम ट्रेडर के लिए सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाता है।

यह किसी भी सिक्योरिटी की मोमेंटम, ट्रेंड डायरेक्शन (रुझान की दिशा) और अवधि के बारे में जानकारी देता है।

जैसा कि इसके नाम से ही पता चलता है कि MACD दो मूविंग एवरेज के कन्वर्जेन्स (Convergence) और डायवर्जेंस पर काम करता है।

किसी भी दो मूविंग एवरेज के बीच का अंतर, जिसे आमतौर पर MACD स्प्रेड कहा जाता है, इसकी गणना **12** दिनों के EMA में से **26**-Days EMA (एक्स्पोनेंशियल मूविंग एवरेज) घटाकर की जाती है।

यह अंतर एक MACD लाइन को बनाने में मदद करता है।

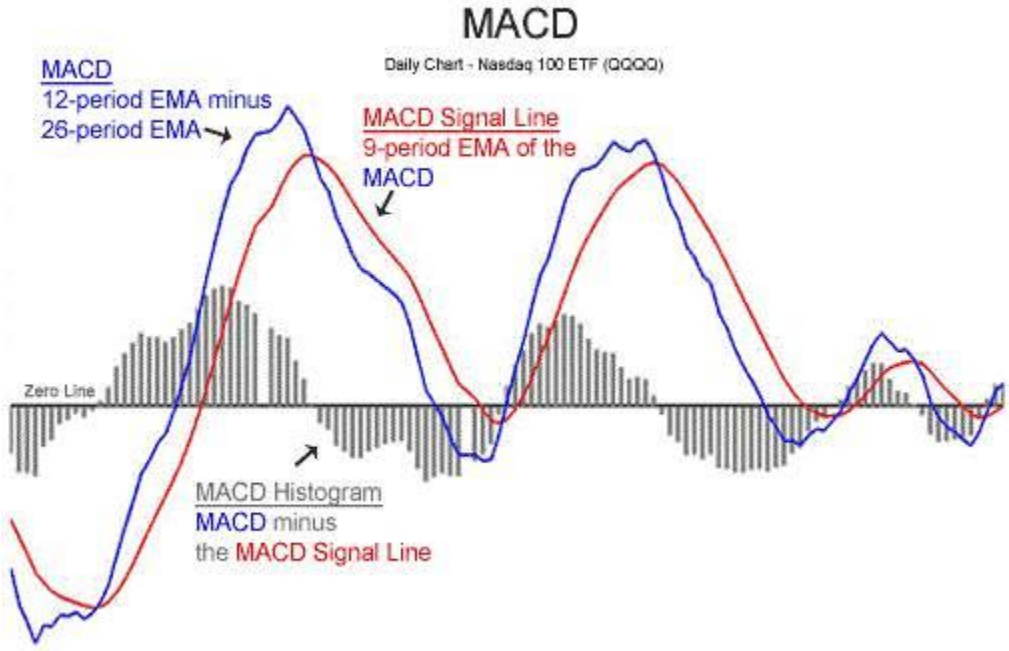

MACD स्प्रेड का पॉजिटिव वैल्यू अपवर्ड ट्रेंड को दर्शाना होता है जबकि इसकी नेगेटिव वैल्यू डाउनवार्ड ट्रेंड को दर्शाती है, और इन दोनों का अंतर ही ट्रेंड की ताकत को दर्शाता है।

सिग्नल लाइन **9**-दिन EMA का इस्तेमाल करके भी बना सकते हैं।

जब MACD लाइन इंडिकेटर रेखा से ऊपर चली जाती है तो खरीदने का संकेत (Buy Signal) उत्पन्न होता है। जब MACD लाइन सिग्नल लाइन से नीचे चली जाती है तो बेचने का संकेत (Sell Signal) उत्पन्न होता है।

बोलिंगर बैंड

बोलिंगर बैंड या BB सबसे उपयोगी ट्रेडिंग इंडिकेटर में से एक है। बोलिंगर बैंड अधिक खरीदे गए (Overbought) और अधिक बेचे गए (Oversold) स्तर को निर्धारित करने में मदद करता है।

इसमें तीन बैंड होते हैं:

- मिडिल बैंड, जो **20** दिन के SMA पर होता है।
- अपर बैंड, जो **+2** स्टैंडर्ड डेविएशन पर होता है।
- लोअर बैंड, जो **-2** स्टैंडर्ड डेविएशन पर होता है।

सामान्य रूप से सिक्योरिटीज की कीमत अपर बैंड और लोअर बैंड के अंतर्गत ही बढ़ती है। जब मार्केट में वोलैटिलिटी ज्यादा होती है तो बैंड बढ़ जाता है और वहीं दूसरी ओर जब मार्केट में वोलैटिलिटी कम होती है तो बैंड के बीच का अंतर भी कम हो जाता है।

इंट्राडे टेक्निकल एनालिसिस के अनुसार, बोलिंगर बैंड का इस्तेमाल करके हम लगभग **80%** तक सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

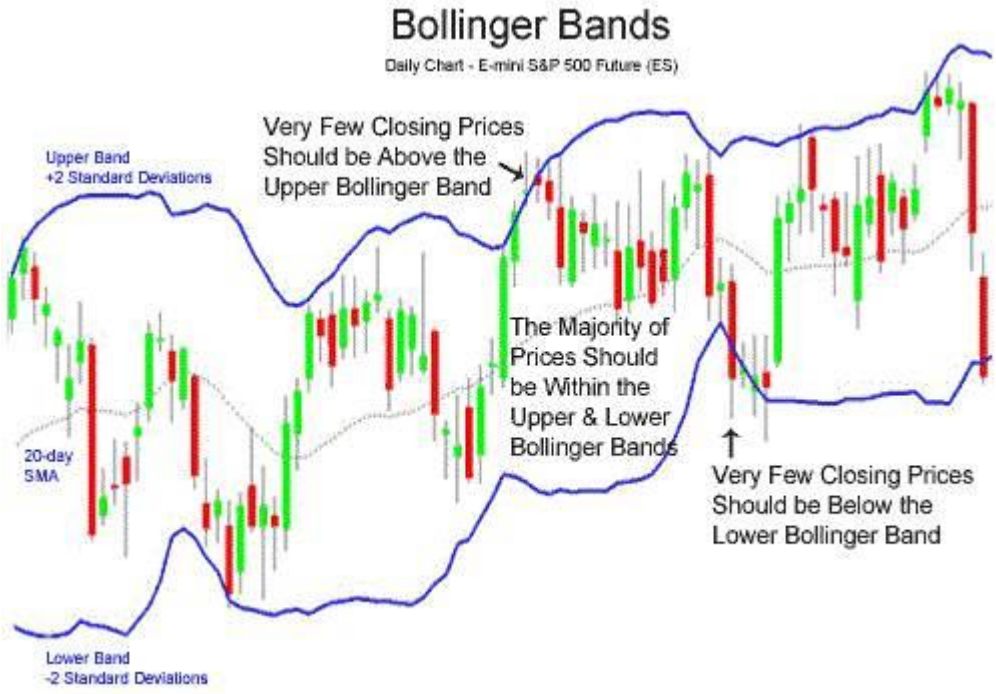

इस रणनीति का इस्तेमाल तब किया जाता है जब सिक्योरिटीज की क़ीमत अपर बैंड के क़रीब होती है,जिससे सिक्योरिटीज महँगी हो जाती है और इसके इस्तेमाल से हम उन्हें उसी एवरेज पर वापिस लाने की कोशिश करते हैं। इस प्रकार, सिक्योरिटीज को मीडियम बैंड के प्राइस के लक्ष्य के साथ अपर बैंड के प्राइस पर बेचा जा सकता है या फिर **20** दिन के SMA पर। इसी तरह जब सिक्योरिटीज की कीमत लोअर बैंड के नजदीक हो तो सिक्योरिटीज सस्ती हो जाती है और फिर इसका इस्तेमाल करके उन्हें उसी एवरेज पर पहुँचने की कोशिश की जाती है, जिसे सिक्योरिटीज को मीडियम बैंड के मूल्यों के लक्ष्य के साथ लोअर बैंड के मूल्य पर खरीदा जा सके।

रिटेलिव स्ट्रेंथ इंडेक्स (RSI):

रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स (RSI), ट्रेडिंग का एक ऐसा इंडिकेटर है जो कम कीमत और अधिक कीमत पर बेचने की अवधारणा का पालन करता है।

यह ट्रेडिंग का सबसे आसान और उपयोगी इंडिकेटर है जो बताता है कि कब सिक्योरिटीज अधिक खरीदी गयी या कब अधिक बेची गयी या फिर कब इसका उल्टा हुआ।

RSI अलग-अलग समय के अनुसार तय किया जा सकता है और इसकी वैल्यू **0** से **100** तक के बीच की वैल्यू हो सकती है।

जिसमें **0** अधिक बेचने और **100** अधिक खरीदने का संकेत देता है। इनके बीच का मूल्य अपेक्षित ट्रेंड को दर्शाता है।

यदि RSI का मूल्य **30** से कम है तो स्टॉक के ऊपर जाने की उम्मीद है और यदि RSI का मूल्य **70** से अधिक है तो शेयर घटने की उम्मीद है।RSI एक उत्कृष्ट मोमेंटम इंडिकेटर है और यदि किसी सिक्योरिटीज का मूल्य **30** या **70** तक के स्तर पर पहुँच जाता है तो ट्रेडर को सतर्क किया जाता है कि वो अपने ट्रेड को एक समान दिशा में थोड़ा रोक के रखे। follow:-traderavi_

एडवांस-डिक्लाइन लाइन:

एडवांस-डिक्लाइन लाइन ट्रेडिंग के विस्तृत रूप से दिखाने वाले इंडिकेटर में से एक है। यह मार्केट सेंटीमेंट के आधार पर विश्लेषण करता है और नेट एडवांस की गणना करता है, जो एडवांस स्टॉक की संख्या और डिक्लाइन स्टॉक की संख्या के बीच का अंतर होता है।

follow:-traderavi_

अगर एडवांस स्टॉक की संख्या डिक्लाइन स्टॉक से अधिक हो तो नेट एडवांस हमेशा पॉजिटिव होते हैं और अगर ना हो तो इसका उल्टा भी हो सकता है।

एक Advance-Decline प्लॉट की जाती है और फिर मार्केट की बुलिश और बेयरिश डाइवर्जेन्स को देखा जाता है।

एक डाइवर्जेन्स किसी भी शेयर की भागीदारी में परिवर्तन दिखा कर उसके ट्रेंड रिवर्सल की भविष्यवाणी कर सकता है।

एवरेज डायरेक्शन इंडेक्स (ADX):

ADX भी इंट्राडे ट्रेडिंग इंडिकेटर में से एक है, जो न केवल ट्रेंड के बारे में जानकारी देता है, बल्कि ट्रेंड की ताकत के बारे में भी जानकारी देता है।

यह इसकी एक महत्वपूर्ण खूबी है, क्योंकि एक बार ट्रेंड की ताकत ज्ञात हो जाने के बाद, एक मज़बूत ट्रेडर अपनी ट्रेडिंग की दिशा सुनिश्चित करके ट्रेडिंग में होने वाले नुकसान और जोखिमों को कम करके अपने लाभ कमाने की क्षमता को बढ़ा सकता है।

ADX प्लस डायरेक्शनल इंडिकेटर (+DI) और माइनस डायरेक्शनल इंडिकेटर (-DI) का उपयोग करता है, जो एवरेज को समझने में आसान करता है।

इन दोनों के बीच का अंतर एवरेज डायरेक्शन इंडेक्स प्राप्त करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

ADX **0** से **100** तक के बीच का मूल्य होता है और ट्रेंड की ताकत को दर्शाता है। follow:- traderavi_

स्टोकेस्टिक ओसीलेटर (Stochastic Oscillator):

स्टोकेस्टिक ऑसीलेटर, ट्रेडिंग के मोमेंटम इंडिकेटर में से एक है। यह किसी सिक्योरिटीज के क्लोजिंग प्राइस की तुलना एक निश्चित अवधि के दौरान आए उसके सभी मूल्य के साथ करता है।

स्टोकेस्टिक ऑसीलेटर प्राइस या वॉल्यूम का पालन नहीं करता है। इसके बजाए, यह मोमेंटम का पालन करता है,जो एक उपयोगी इंडिकेटर के रूप में कार्य करता है क्योंकि प्राइस से पहले मोमेंटम की दिशा बदलती है।

यह एक रेंज-बाउंड इंडिकेटर भी है, इसलिए इसका उपयोग अधिक खरीदी गई (Overbought) और अधिक बिकने वाली (Oversold) सिक्योरिटीज के बारे में जानकारी देने के लिए भी किया जाता है।

सुपरट्रेंड

सुपरट्रेंड ट्रेडिंग करने का एक उत्कृष्ट इंडिकेटर है जो मार्केट के रुझान के अनुसार सिक्योरिटीज को खरीदने के लिए स्पष्ट संकेत देता है।

यह मूविंग एवरेज की तरह कीमतों का अनुसरण करता है, और लाइन का प्लेसमेंट करंट ट्रेंड को दर्शाता है।

यह दो मापदंड के अनुसार बना है: पीरियड और मल्टीप्लायर, और एवरेज ट्रू रेंज (Average True Range) का उपयोग करता है, जो इसकी मूल्य की गणना और प्राइस वोलैटिलिटी के स्तर को दर्शाता है।

इसीलिए, अवधि ATR दिनों की संख्या होता है और गुणक वह मूल्य होता है जिसके द्वारा ATR को गुणा किया जाता है।

जब सुपरट्रेंड क्लोजिंग प्राइस से ऊपर बंद हो जाता है तब एक खरीद संकेत (बाय सिग्नल) उत्पन्न होता है और जब यह क्लोजिंग प्राइस से नीचे बंद होता है तो सेल सिग्नल उत्पन्न होता है। follow:-traderavi_

कमोडिटी चैनल इंडेक्स:

कमोडिटी चैनल इंडेक्स (CCI) कमोडिटी मार्केट में उपयोग होने वाला सबसे उपयोगी इंट्राडे ट्रेडिंग इंडिकेटर में से एक है।
हालांकि, इसका इस्तेमाल शेयर मार्केट में भी किया जा सकता है।
यह नए रुझानों की पहचान करने में मदद करता है और साथ ही गंभीर स्थितियों के बारे में चेतावनी भी देता है जिससे की निवेशक अपना नुकसान को काम कर सकते हैं ।
यह वास्तव में सिक्योरिटीज के मूल्य परिवर्तन और उसके परिवर्तन के बीच के अंतर को मापता है और इसमें **0, +100** और **-100** के मूल्य होते हैं।
यदि CCI की वैल्यू पॉजिटिव होती है, तो वह शेयरों के अपट्रेंड की ओर संकेत करता है। इसी प्रकार, जब CCI की वैल्यू नेगेटिव होती है तो वह शेयरों के डाउनट्रेंड की ओर संकेत करता है।

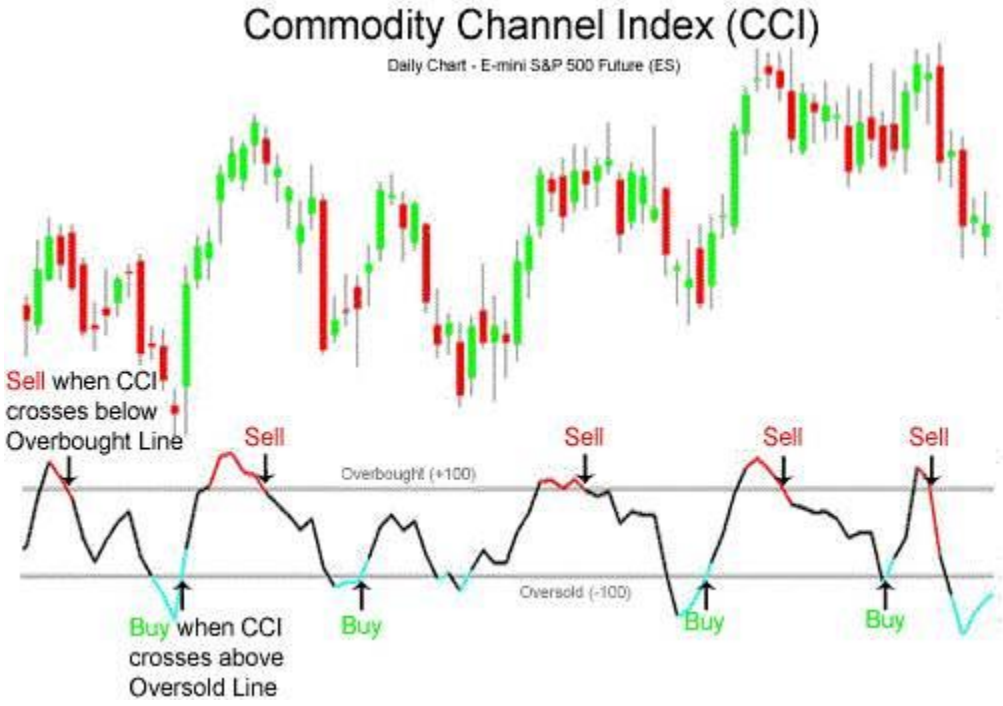

CCI को आमतौर पर ओवरसोल्ड सिक्योरिटीज और ओवरबॉट सिक्योरिटीज की स्थितियों पर जानकारी प्राप्त करने के लिए RSI के संयोजन के साथ प्रयोग किया जाता है।
CCI की गणना विभिन्न समय और अवधि के अनुसार की जा सकती है, क्योंकि CCI बहुत अस्थिर होता है। follow:-traderavi_

ऑन-बैलेंस वॉल्यूम (OBV):

OBV भी इंट्राडे ट्रेडिंग इंडिकेटर में से एक है।
यह सिक्योरिटीज के मूल्य में होने वाले परिवर्तन की भविष्यवाणी करने के लिए वॉल्यूम फ्लो का इस्तेमाल करता है।
OBV अप-डे (Up Days) में वॉल्यूम को जोड़ता है, जबकि डाउन डे (Down Days) में मूल्यों को घटाता है जिससे हम खरीदने और बेचने के क्षमता को माप सकते हैं।
यदि सिक्योरिटीज का क्लोजिंग प्राइस पूर्व में होने वाले क्लोजिंग प्राइस से ऊपर है तो वर्तमान OBV पिछले OBV और उसकी वर्तमान वॉल्यूम का योग होता है।
यदि सिक्योरिटी का क्लोजिंग प्राइस प्री-क्लोजिंग प्राइस से नीचे है तो वर्तमान OBV पिछले OBV और उसकी वर्तमान वॉल्यूम के बीच का अंतर है।
यदि क्लोजिंग प्राइस प्री क्लोजिंग प्राइस के समान ही है तो वर्तमान OBV पिछले OBV जैसा ही है।

इसी प्रकार, मार्केट में विभिन्न प्रकार के टेक्निकल इंट्राडे ट्रेडिंग इंडिकेटर उपलब्ध हैं।
लेकिन, ट्रेडर उनमें से प्रत्येक इंडिकेटर से क्या प्राप्त करते हैं और उनका संयोजन किस ट्रेडिंग रणनीति साथ करते है ये उनके फैसले पर निर्भर करता है।
हालाँकि, ट्रेडिंग में एक समय में केवल एक या दो टेक्निकल इंडिकेटर का उपयोग करने की सलाह दी जाती है।
अधिक जानकारी आपके निर्णय को अधिक जटिल और गलत बना सकती है। follow:-traderavi_

What is candlestick.

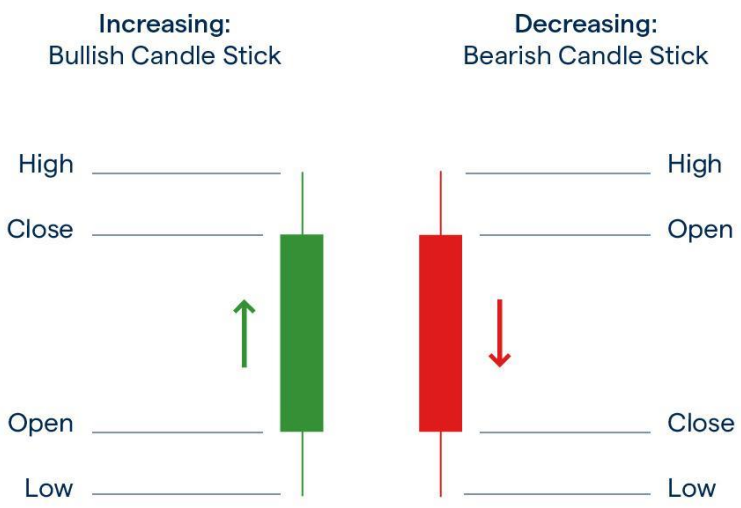

candlestick market का analysis करने में सहायता प्रदान करती है, जिसके जरिये हम किसी भी स्टॉक का उतर चड़ाव को आसानी से समझ सकते हैं.

यहाँ green candle स्टॉक के बुलिश होने का संकेत देती है और red candle market के bearish होने का संकेत देती है , इसके जरिये ही बहुत सारे एक्सपर्ट अपना एनालिसिस करते हैं.

green candle:- इसकी बॉडी निचे से ओपन होकर ऊपर की ओर close करती है.

red candle:- इसकी बॉडी ऊपर से open होकर निचे close करती है

.

जैसा चित्र में दर्शाया गया है .

BULLISH HARAMI

यह एक bullish कैंडल होती है. इसका नाम bullish हरामी कैंडल है, अगर market लगातार downtrend में है और अगर एसा candle बनता है तो यहाँ से market अपना trend change कर सकता है .

entry- यहाँ हम green कैंडल के उपर entry ले सकते है.

stoploss- यहाँ sl green candle का low रहेगा.

BEARISH HARAMI

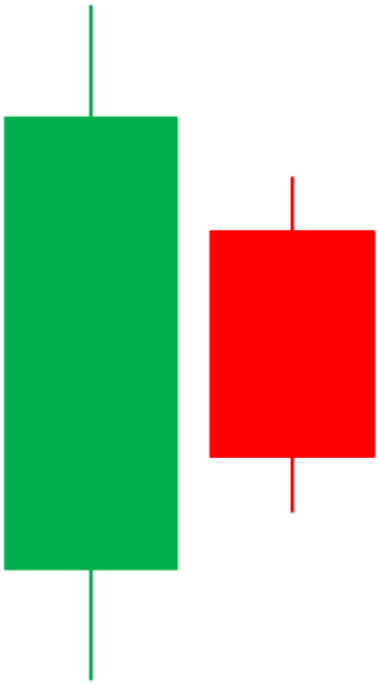

यह एक bearish कैंडल होती है. इसका नाम bearish हरामी कैंडल है, अगर market लगातार uptrend में है और अगर एसा candle बनता है तो यहाँ से marketअपना trend change कर सकता है .

entry- यहाँ हम Red कैंडल के उपर entry ले सकते है.

stoploss- यहाँ sl Red candle का low रहेगा.

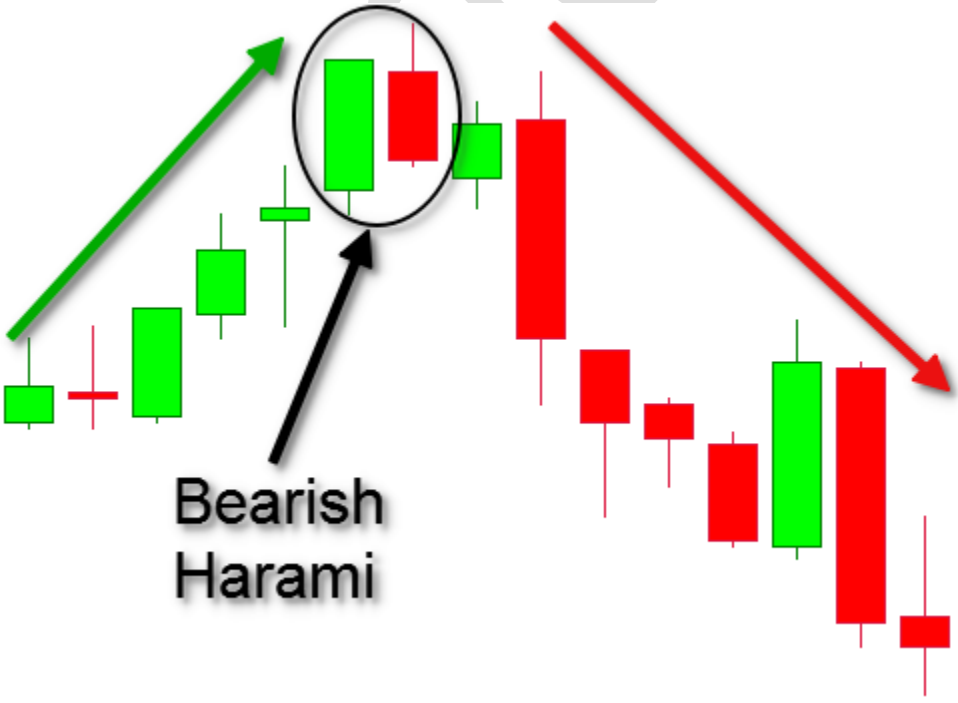

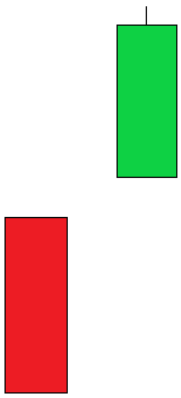

bullish kicker-इसे bullish kicker candle कहते है, अगर market gapup open होत है तब green candle के close के बाद उसके उपर green candle sustain करने लगे या क्लोज करे तब हम यहाँ buy oportunity देख सकते हैं .

entry - green candle के ऊपर,

stoploss – red candle का low,

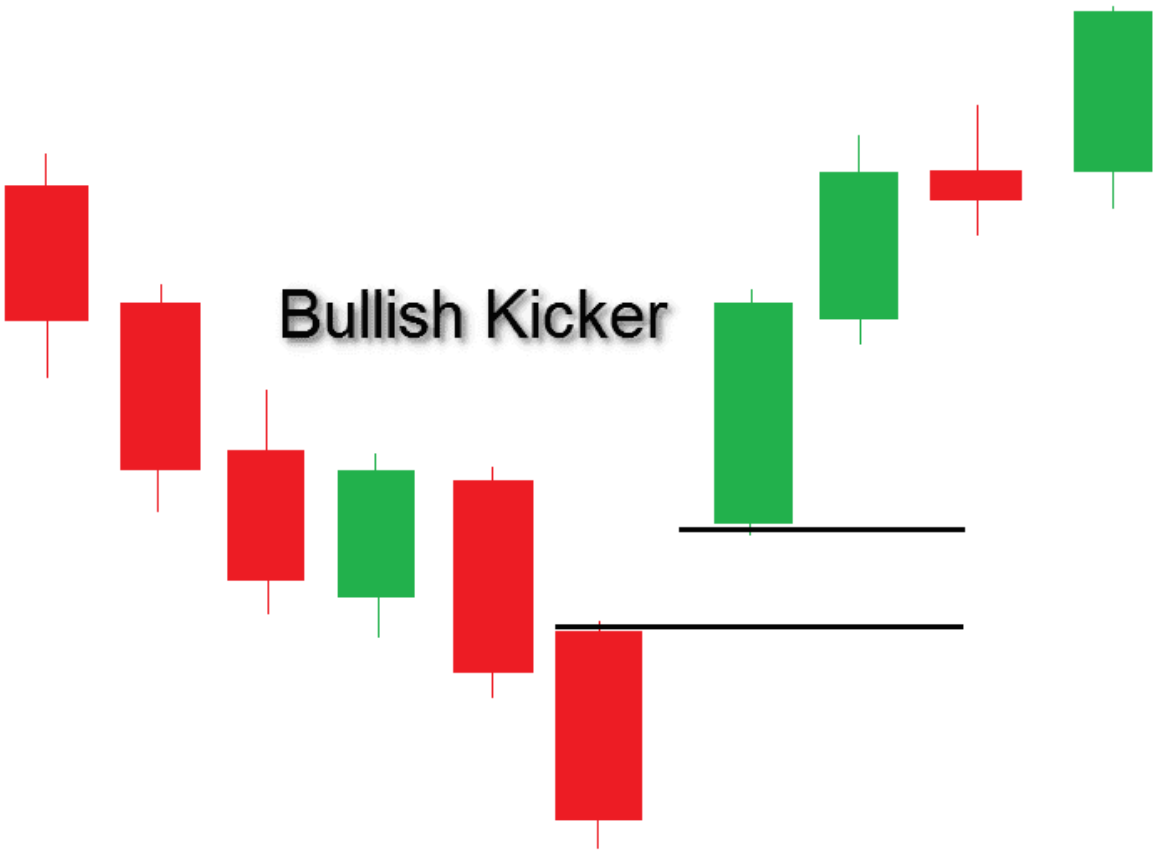

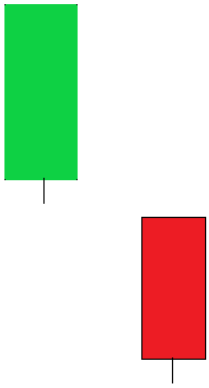

इसे **bearish kicker** candle कहते है,

अगर market gapdown open होत है तब Red candle

के close के बाद उसके निचे red candle sustain

करने लगे या क्लोज करे तब हम यहाँ

sell oportunity देख सकते हैं .

entry - red candle के निचे,

stoploss – green candle का high,

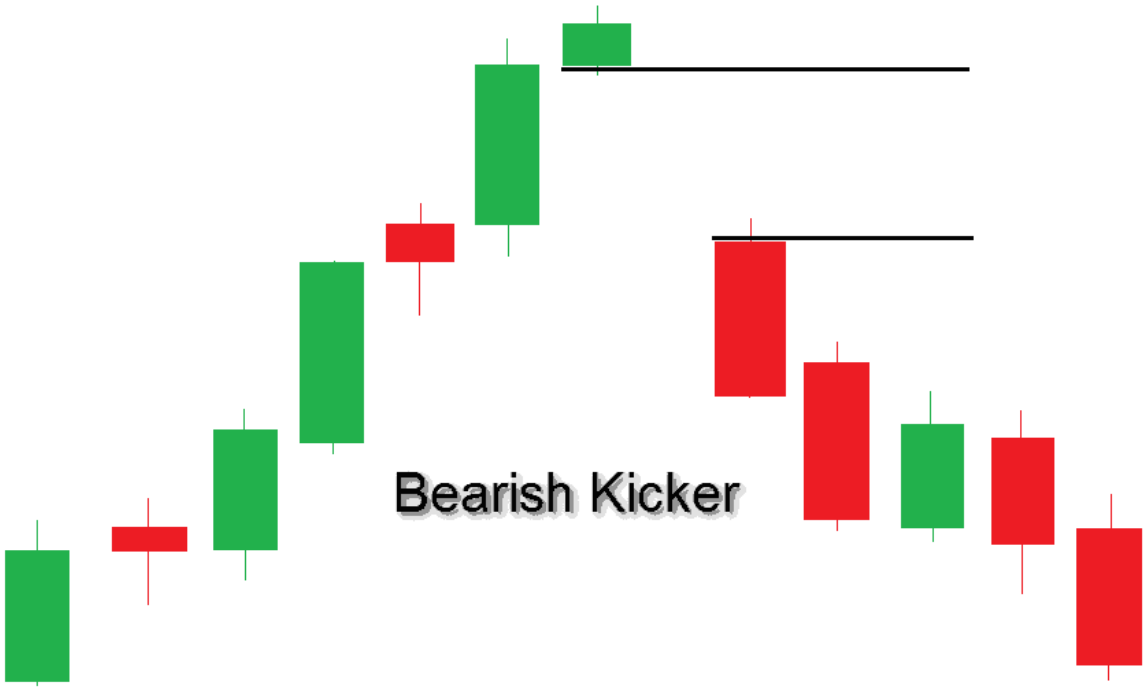

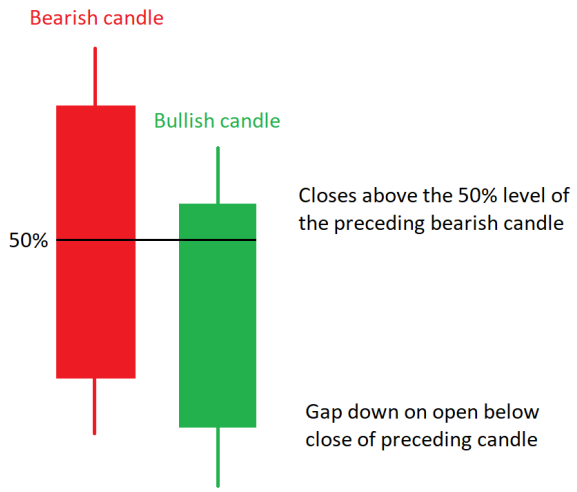

piericing line pattern-अगर market downtrnd में है और सपोर्ट के पास ऐसा पैटर्न बनता है जो पहले वाले red candle को 50प्रतिशत tuch करके क्लोज करता है तो हम इसे piercing line पैटर्न कहते हैं ,यहाँ से market अपना ट्रेंड change कर सकता है ,

entry- यहाँ हम entry green candle के ऊपर price sustain होने पर कर सकते हैं, stoploss- पिछले green candle का low रहेगा ,

यहाँ ध्यान यह रखना है की candle में volume अच्छा रहना चाहिए ,

Chart of ICICI Lombard General Insurance - With Piercing Line Pattern

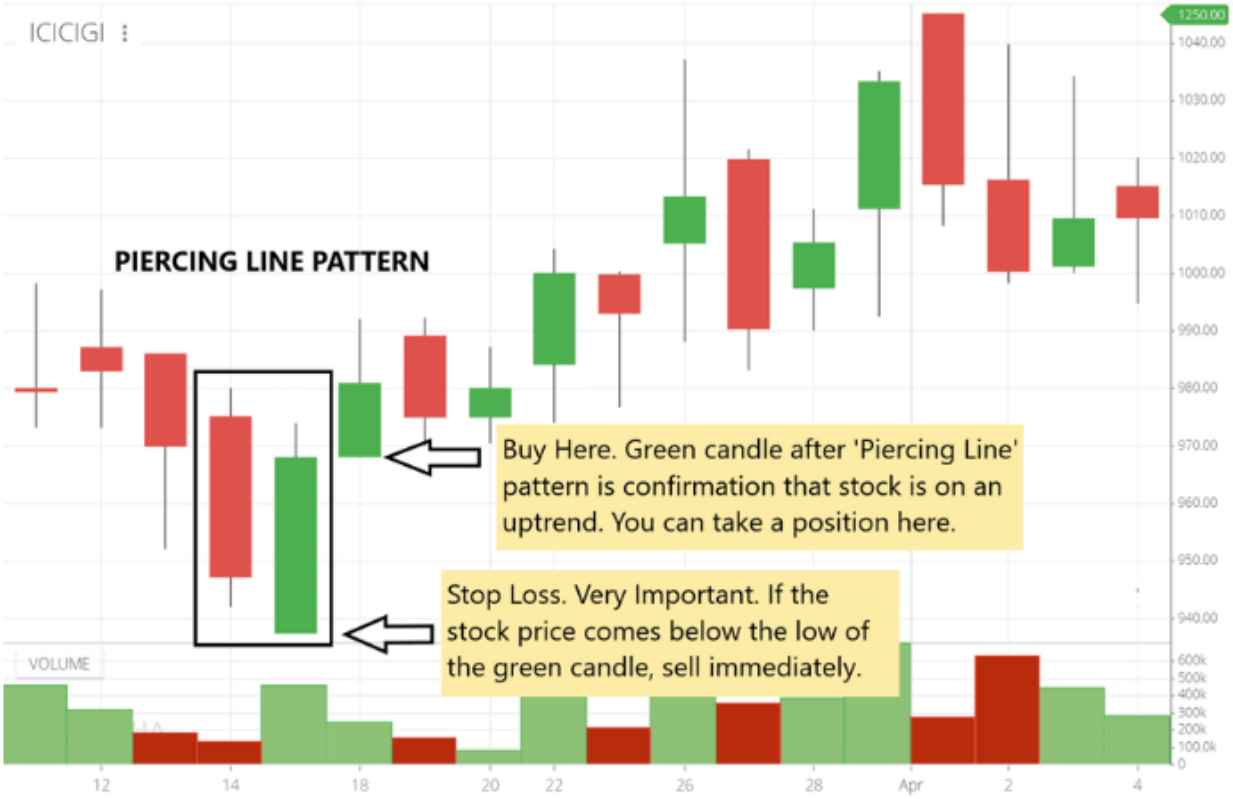

dark cloud cover- अगर market uptrnd में है

और resistain के पास ऐसा पैटर्न बनता है जो पहले

वाले green candle को 50प्रतिशत tuch

करके क्लोज करता है तो हम इसे dark cloud cover

पैटर्न कहते हैं ,यहाँ से market अपना ट्रेंड

change कर सकता है ,

entry- यहाँ हम entry red candle के निचे price sustain होने पर कर सकते हैं,
stoploss- पिछले red candle का high रहेगा ,

यहाँ ध्यान यह रखना है की candle में volume अच्छा रहना चाहिए ,

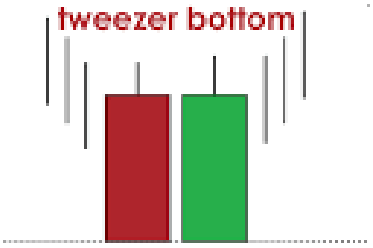

इस पैटर्न को **tweezer bottom** पैटर्न कहते हैं, जब market downtrend में हो और bottom के पास ऐसा candle बनता है तब market अपना ट्रेंड change कर सकता है,

यहाँ यह ध्यान देना अनिवार्य है कि दोनों का bottom सेम हो,

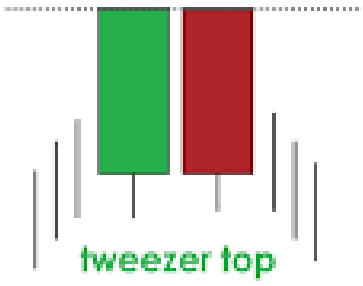

इस पैटर्न को **tweezer top** पैटर्न कहा जाता है, जब market अपट्रेंड में हो और rasistain के पास ऐसा पैटर्न बनता है, तब हम इस पैटर्न को अपना सकते हैं,

यहाँ ध्यान यह देना है की candle का top same हो,

ENTRY- 1ST red CANDLE के निचे.

STOPLOSS- red candle के ऊपर पर.

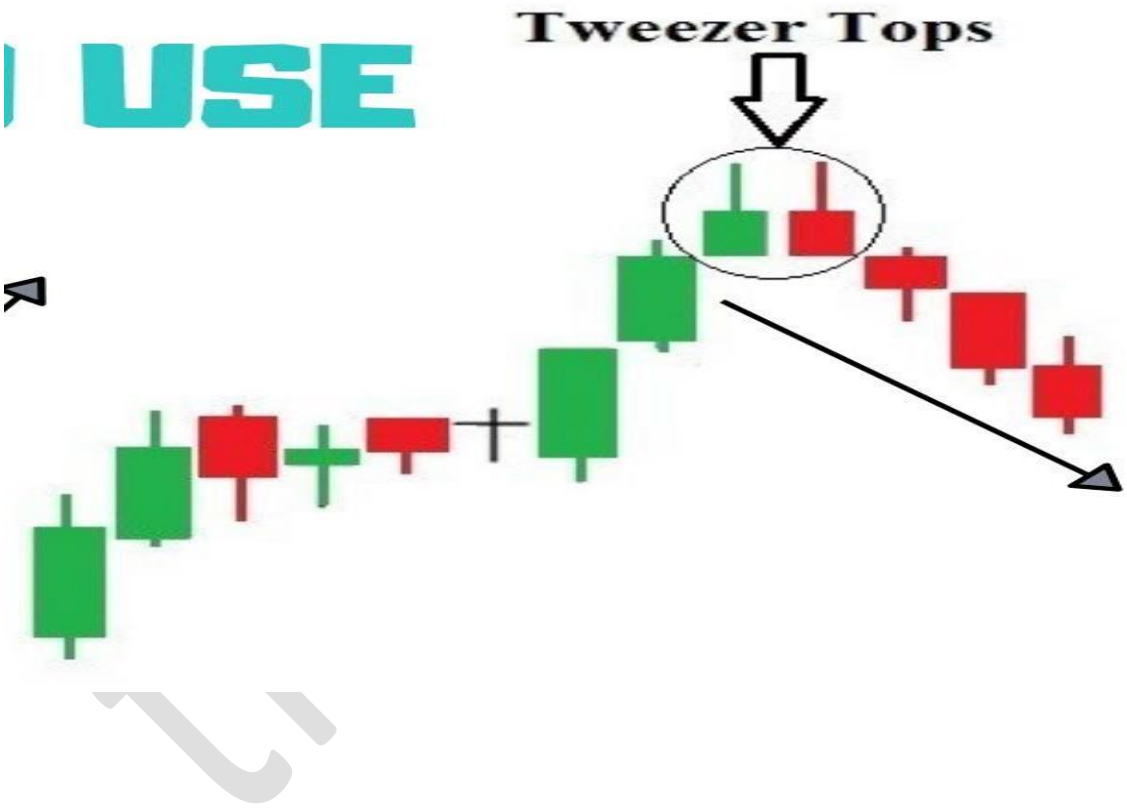

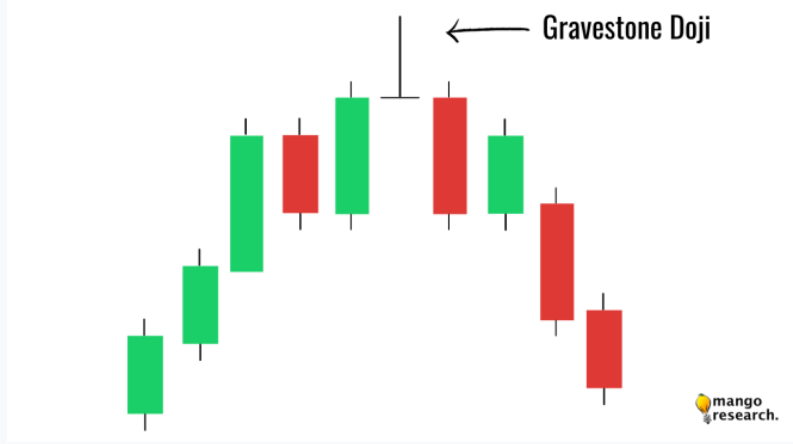

ग्रेवस्टोन डोजी एक मंदी का पैटर्न है जो मूल्य कार्रवाई में गिरावट के बाद उलटफेर का सुझाव देता है। एक ग्रेवस्टोन पैटर्न को एक तेजी की स्थिति पर लाभ लेने या एक मंदी के व्यापार में प्रवेश करने के लिए एक संकेत के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

Follow on instagram:-@traderavi_

ड्रैगनफ्लाई डोजी एक प्रकार का कैंडलस्टिक पैटर्न है जो पिछली कीमत की कार्रवाई के आधार पर कीमत में संभावित उलटफेर का संकेत दे सकता है। यह तब बनता है जब परिसंपत्ति की उच्च, खुली और करीबी कीमतें समान होती हैं। यानि market downtrend में है और वहां bottom {support} के पास ड्रैगनफ्लाई दोजी बनता है तो हम यहाँ buy का side ट्रैड ले सकते हैं

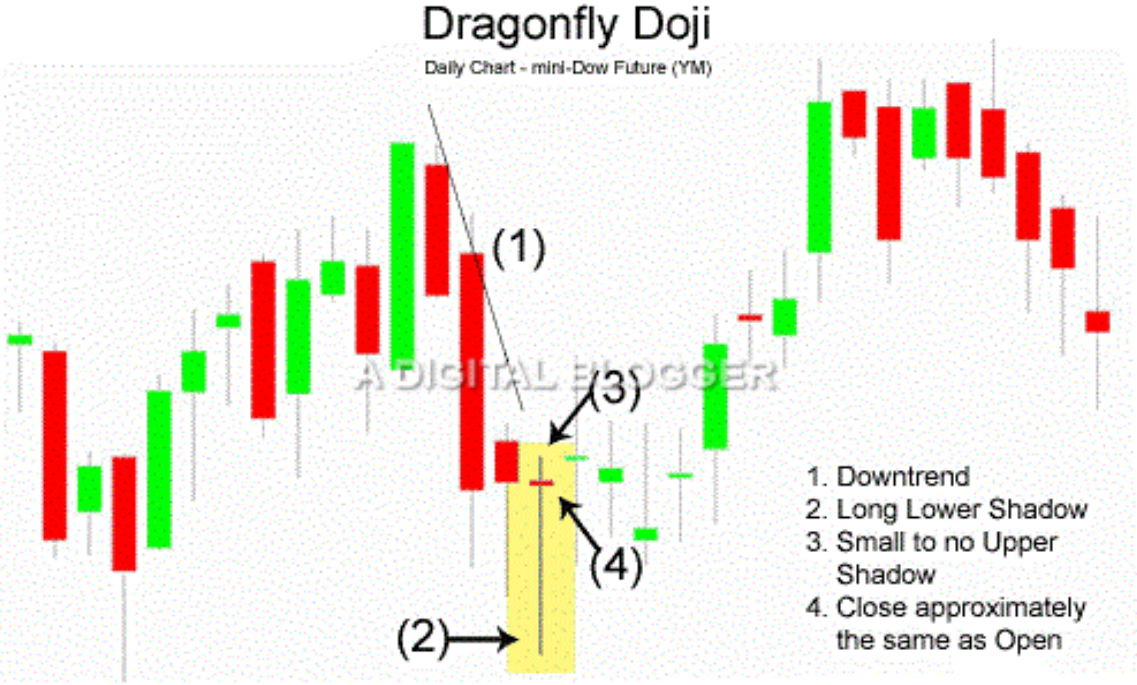

Follow on instagram:-@traderavi_

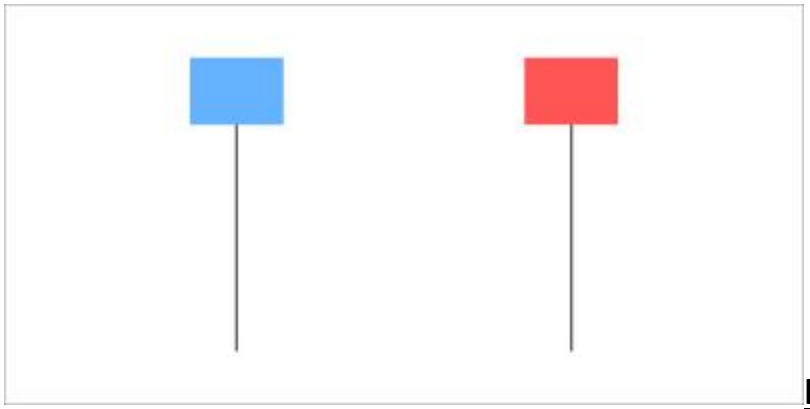

hammer candle-हैमर कैंडल एक bullish कैंडल होता है जो यह बतलाता है की market यहाँ से अपना ट्रेंड change कर सकता है . अगर market डाउन ट्रेंड में है और bottom{support} पे हैमर कैंडल बनता है तो यहाँ से market बहोत fast एक upmove देता है .हैमर कैंडल का कलर red या green दोनों हो सकते हैं .

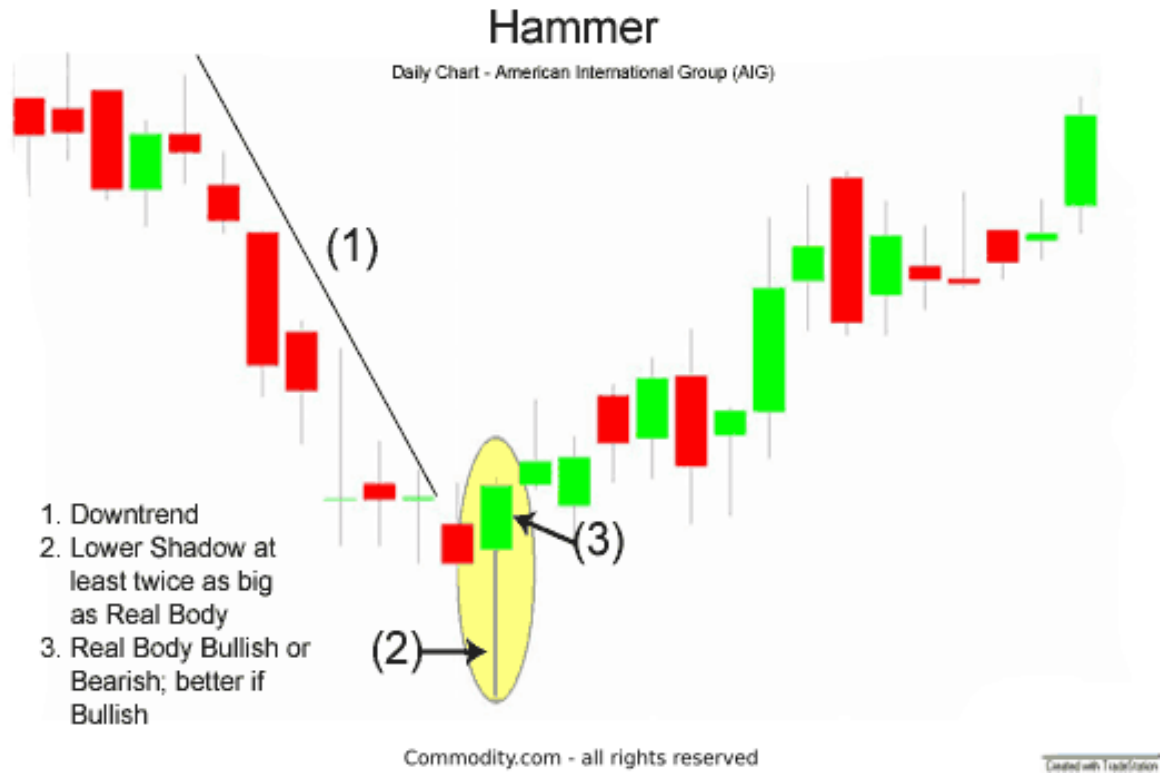

Follow on instagram:-@traderavi_

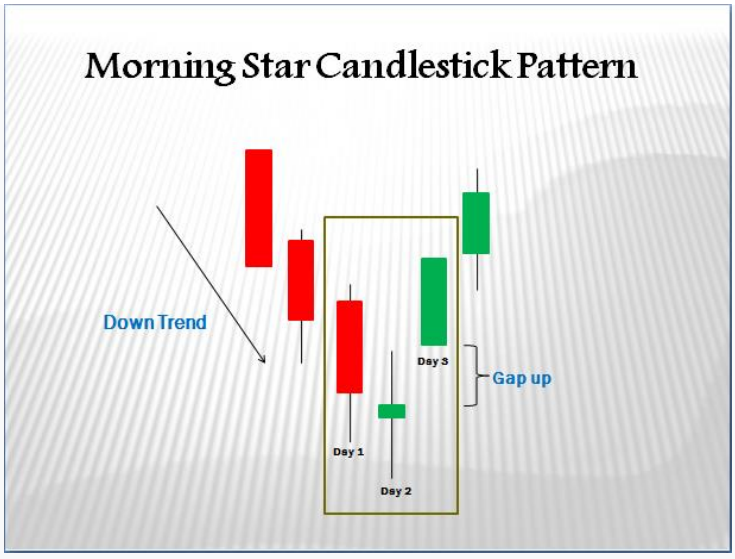

<u>मोर्निंग स्टार-</u> एक bullish पैटर्न है जो डाउन ट्रेंड में बनता है और यहाँ से market का ट्रेंड change होने का सम्भावना होता है.
हम यहाँ मोर्निंग स्टार कैंडल के high को ब्रेक करते ही entry ले सकते हैं .
और मोर्निंग स्टार कान्म्देल का low हमारा stoploss रहेगा.

इवनिंग स्टार -कैंडल top पे बनता है तो यहाँ से हम ट्रेंड change होते हुए देख सकते हैं. यहाँ से एक अच्छा downtrand देखने को मिलता है .

यहाँ हम इवनिंग स्टार कैंडल के low को ब्रैक करते ही sell कर सकते हैं.

stoploss अपने मैनेजमेंट के हिसाब से रख सकते हैं.

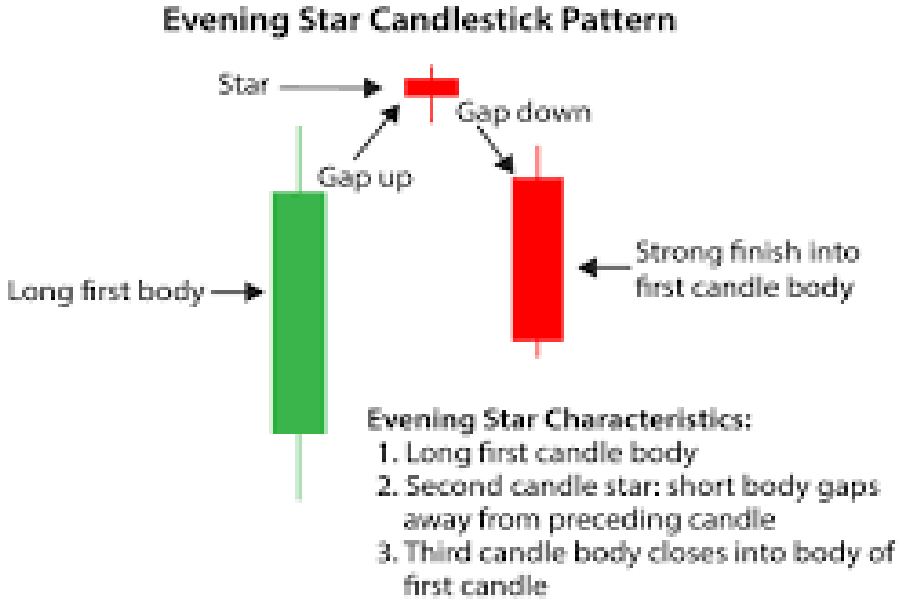

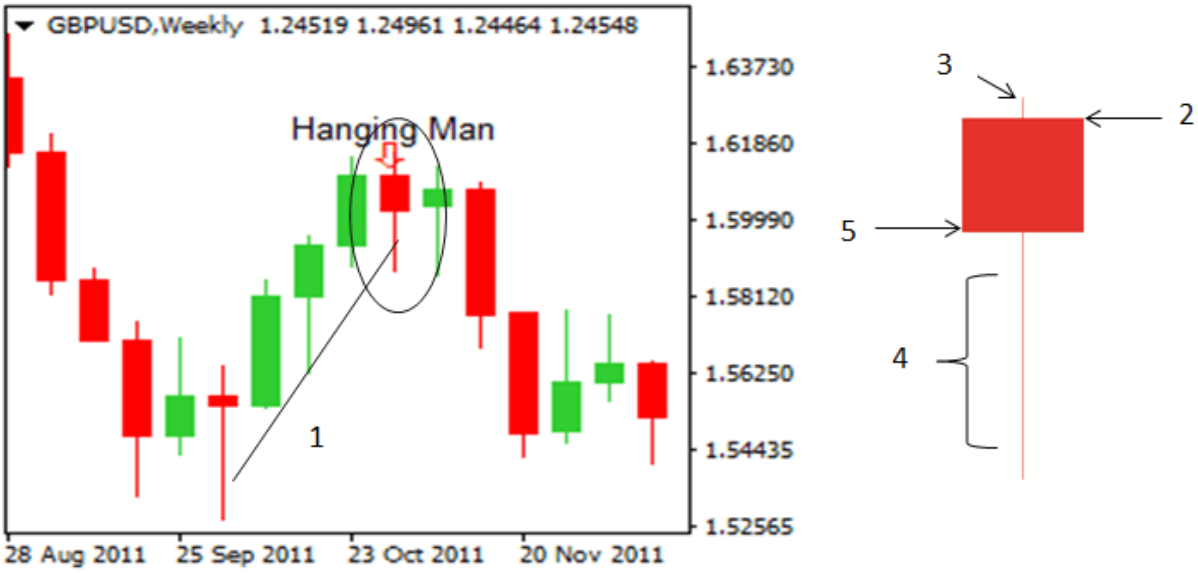

Hanging man candle

यह दिखने में हैमर जैसा ही होता है पर यह एक bearish सिग्नल देता है,अर्थात इसके बन्ने के बाद शेयर जा price गिर सकता है, जब भी market up ट्रेंड में हो और ये candle बने तब वहां हम इसके बन्ने के बाद sell कर सकते हैं, इस candle का अपर weak नहीं होना चाहिए,अगर होता भी है तो बहुत छोटी होनी चाहिए, इसका कलर red या green हो सकता है. Follow on instagram:-@traderavi_

Inverted Hammer

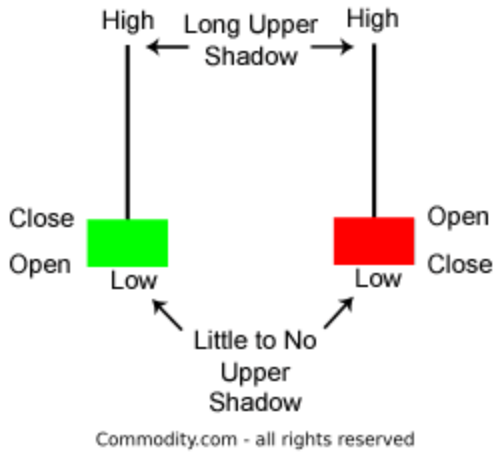

यह एक bullish सिग्नल देता है,अर्थात इसके बन्ने के बाद शेयर जा price बढ़ सकता है, जब भी market down ट्रेंड में हो और ये candle बने तब वहां हम इसके बन्ने के बाद buy कर सकते हैं, इस candle का lower weak नहीं होना चाहिए,अगर होता भी है तो बहुत छोटी होनी चाहिए, इसका कलर red या green हो सकता है.

इसके high को ब्रैक करते ही हम इसके low का stoploss लगाकर entry ले सकते हैं .

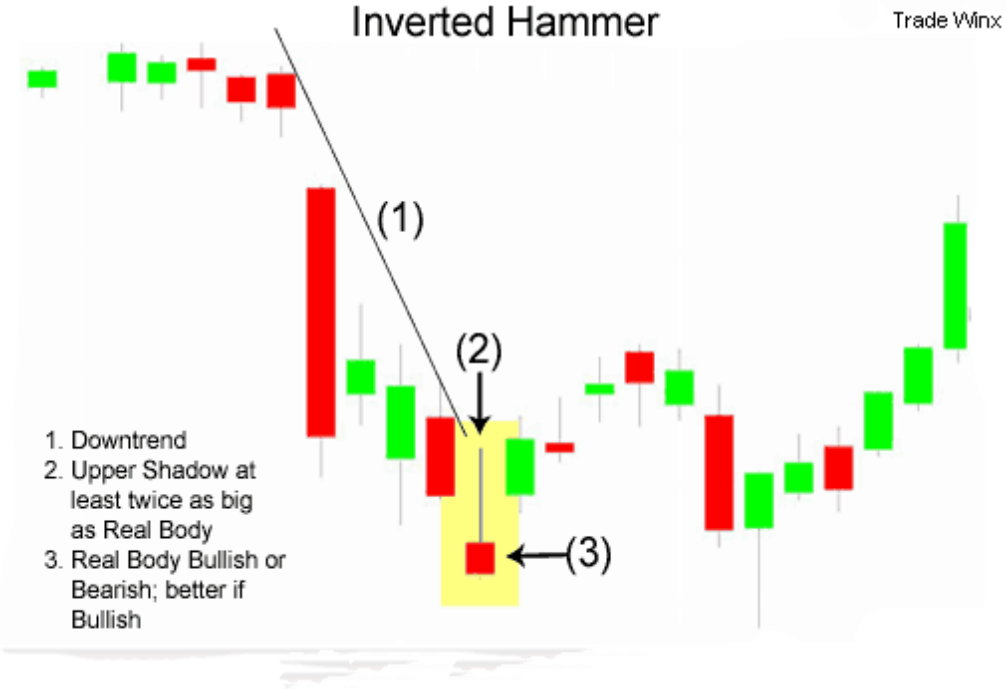

Trading discipline

- Create a trading plan and follow it strictly.
- Take trades only after a proper candlstick signal.
- Enter a trade only if it has more than one confermation.
- Never enter a trade without a stoploss.
- Do not second guess the trade after entering.
- If the price move against your expectasion wait for the taken out.
- Before taking a trade decide all the entry, stoploss and target levels.
- Do not chase the trade.
- Do not enter a trade due to an emotional push.
- Always wait for the candle to close, before you decide based on it.
- Do not take others opinion to entery/exit a trade.
- Control your emotions.
- Focus on capital preservation & risk management.
- Do not over trade.
- Accept failure as a step towerds victory
- Lose your opinion, not your mony.

traderaj

Chart Patterns Cheat Sheet

REVERSAL CHART PATTERNS

Double Top

Head and Shoulders

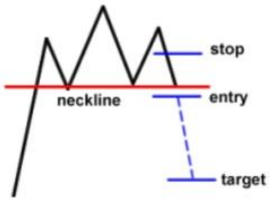

Rising Wedge

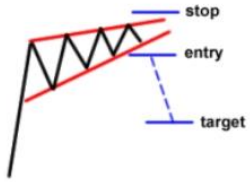

Double Bottom

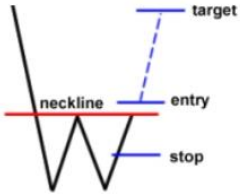

Inverse Head and Shoulders

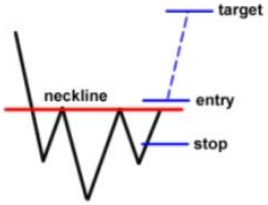

Falling Wedge

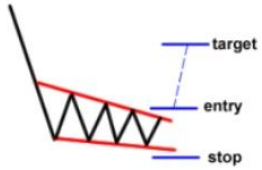

CONTINUATION CHART PATTERNS

Falling Wedge

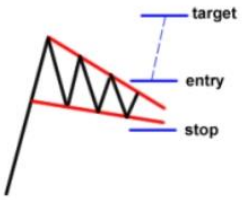

Bullish Rectangle

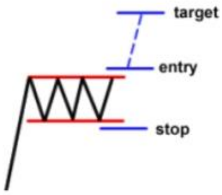

Bullish Pennant

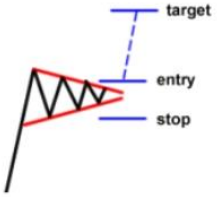

Rising Wedge

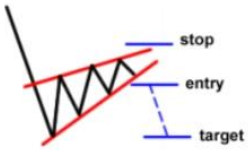

Bearish Rectangle

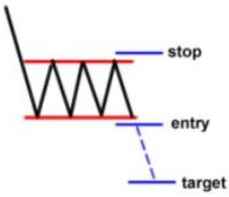

Bearish Pennant

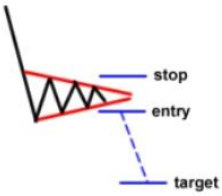

BILATERAL CHART PATTERNS

Ascending Triangle

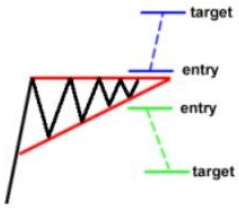

Descending Triangle

Symmetrical Triangle

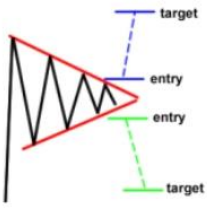

Source: Babypips (https://www.babypips.com/learn/forex/how-to-trade-chart-patterns)

Chart Patterns

Steve Burns
New Trader U

Head & Shoulders

Triple Top

Channels

Penants

Flags

Symmetrical Triangles

Descending Triangles

Ascending Triangles

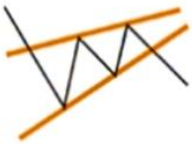

Wedge Continuation

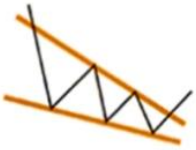

Wedge Reversal

Double Top

Triple Bottom

Rectangles

Double Bottom